RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।
सुभाषचंद्र बोस

वर्ष-03, अंक-27 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 08 अप्रेल 2021 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए


## ममता पर बरसे योगी, राम से टकराने वालों की दुर्गति तय

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए 10 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इससे पहले सभी सियासी दलों के नेता चुनाव प्रचार करने में व्यस्त हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में चुनावी कार्यक्रम को संबोधित किया। जलपाईगुड़ी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी ने मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि, दीदी इस समय इतनी नाराज है कि वो जय श्रीराम बोलने वाले को जेल में डालने की धमकी दे रही हैं। आखिर मैं पूछना हूं कि, वो भाजपा से या हमसे नाराज हो सकती हैं, लेकिन राम से क्यों? राम से टकराने का जिसने भी दुस्साहस किया है, उसकी दुर्गति निश्चित हुई है। वही अब बंगाल में भी टीएमसी की दुर्गति तय है। रैली को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि, 2 मई को चुनाव परिणाम में बंगाल को ममता सरकार से मुक्ति मिल जाएगी। तृणमूल कांग्रेस के गुंडों को कानून के शिकंजे में कसा जाएगा।

## नियम तोड़ सड़क पर उतरे 'आप' नेता, पीएम की रैलियों पर साधा निशाना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार की वैक्सीन निर्यात नीति के विरोध में बुधवार को सड़क पर उतरे आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं ने कोविड-19 नियमों में ढिलाई बरतते हुए प्रदर्शन किया। कोरोना की चौथी लहर के बावजूद भाजपा कार्यालय के पास प्रदर्शन के दौरान आप कार्यकर्ता और समर्थक बिना मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करते दिखे। हालांकि, पुलिस ने पहले ही यह कह दिया है कि, उनका विरोध अवैध है क्योंकि कोविड नियंत्रण नियमों के तहत, दिल्ली में ऐसी सभाओं को आयोजित नहीं किया जा सकता है। वहीं आप ने कहा कि, केंद्र सरकार देश के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाने की जगह विदेशों में वैक्सीन निर्यात कर रही है। यह पूछे जाने पर कि, जब राजधानी में 5 हजार सौ से अधिक मामलों दर्ज किए जा रहे हैं, ऐसे में यदि सत्तारूढ़ दल ही मास्क के उपयोग पर जोर नहीं देगा तो इस महामारी को कैसे काबू किया जा सकता है? जवाब में आप के वरिष्ठ पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी चुनावी रैलियों की ओर इशारा किया।

## सोन चिरैया को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट सख्त

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उच्चतम न्यायालय ने केंद्र, राजस्थान और गुजरात सरकार से पूछा कि, धरती पर उड़ने वाले सबसे बड़े और विलुप्तप्राय पक्षी सोन चिरैया को बचाने के लिए हाई टेंशन बिजली के तारों को भूमिगत क्यों नहीं किया जा सकता? प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने पूर्व अइएएस अधिकारी रणजीत सिंह तथा अन्य की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में सोन चिरैया और लेसर फ्लोरिकन पक्षियों की संख्या बढ़ाने के लिए आपातकालीन कदम उठाने की खातिर न्यायालय से हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया था। पीठ में न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और वी रामसुब्रमण्यन भी शामिल थे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीठ को बताया कि हाई वोल्टेज वाले बिजली के तारों को भूमिगत करने में तकनीकी समस्या है। मंत्रालय ने कहा कि, दुनिया के अन्य देशों में भी यह नहीं हो सका है। पीठ ने कहा, आप बताइये कि, हाई वोल्टेज लाइन भूमिगत क्यों नहीं हो सकती?

# 9 वीं, 11 वीं के विद्यार्थी घर बैठकर देंगे परीक्षा, बोर्ड परीक्षा पर संशय

**भोपाल।** सरकार ने 9 वीं और 11 वीं कक्षा से संबंधित बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के मुताबिक अब 9 वीं और 11 वीं के छात्रों को घर पर रहकर ही परीक्षा देनी होगी। यह फैसला प्रदेश में कोरोना संक्रमण के वर्तमान हालातों को मद्देनजर रखते हुए लिया गया है।

सरकारी विद्यालयों में 9 वीं और 11 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल से पेपर दिए जाएंगे। इन पेपर को विद्यार्थियों को घर ले जाकर हल करना होगा और उत्तर पुस्तिकाओं को स्कूल में आकर जमा करना होगा। साथ ही सरकारी विद्यालयों में 10 वीं और 12 वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाओं के लिए भी यही व्यवस्था की गई है।

### निजी विद्यालयों के लिए यह विकल्प

जारी आदेश में निजी विद्यालयों को विकल्प दिया गया है। वे 9 वीं व 11 वीं की वार्षिक परीक्षा और 10 वीं व 12 वीं की प्री-बोर्ड परीक्षा ऑनलाइन या ऑफ्लाइन मोड में से किसी में भी आयोजित कर सकते हैं। गौरतलब है कि, सरकारी स्कूलों में 9 वीं एवं 11 वीं की सालाना परीक्षाएं और 10 वीं-12 वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं 12 अप्रैल से होनी हैं। वहीं राज्य बोर्ड द्वारा कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षाएं 30 अप्रैल से और कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं एक मई से आयोजित की जानी है। बोर्ड द्वारा अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा का टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है।

### बढ़ सकती है 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं की तिथि

प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों ने अभिभावक और विद्यार्थियों को चिंता में डाल दिया है। सभी ने सरकार से परीक्षा की तिथि को आगे बढ़ाने की मांग की है। ऐसे में एमपी बोर्ड 10 वीं और 12 वीं की परीक्षाओं को लेकर 15 अप्रैल को फैसला लेने वाला है। प्राप्त जानकारी मुताबिक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 12 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर के साथ बैठक कर कोरोना संक्रमण की स्थिति पर चर्चा करने वाले हैं। इस बैठक के बाद ही परीक्षाओं के संबंध में कोई भी निर्णय लिया जाएगा।

## राहुल गांधी ने हर वर्ग के लिए की टीकाकरण की मांग

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के सभी नागरिकों के लिए कोरोना के टीके की पैरवी करते हुए बुधवार को कहा कि, इस टीके की जरूरत को लेकर बहस करना हास्यास्पद है तथा हर भारतीय सुरक्षित जीवन का मौका पाने का हकदार है। उन्होंने 'कोविड वैक्सीन हैशटैग से ट्वीट किया, जरूरत और मजी को लेकर बहस करना हास्यास्पद है। हर भारतीय सुरक्षित जीवन का मौका पाने का हकदार है।

गौरतलब है कि, पूरे देश में कोरोना वायरस के खिलाफ चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग टीका लगवा सकते हैं। इस बीच, राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, महामारी के खिलाफलड़ाई में स्वास्थ्यकर्मी हमारे योद्धा हैं। मैं नागरिकों की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता, साहस और समर्पण के लिए उनको सलाम करता हूं। मैं त्याग के लिए उनके परिवारों का भी आभार व्यक्त करता हूं।

### अपने हिस्से की भूमिका निभानी होगी

उन्होंने लोगों से आह्वान किया, इस वायरस को नियंत्रित करने के लिए देश के नागरिक के तौर पर हमें अपने हिस्से की भूमिका निभानी होगी। हम मास्क लगाएं और दूसरे सभी प्रोटोकॉल का पालन करें।

बता दें कि, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कोरोना वायरस के नए मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है।

### 18 वर्ष से अधिक सभी के लिए टीकाकरण की मांग

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को कहा कि, लक्ष्य उन लोगों को वैक्सीन का प्रबंध करना नहीं है जो इसे चाहते हैं, बल्कि जिन्हें इसकी आवश्यकता है। मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया कि, वे 18 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों को टीकाकरण कराने की अनुमति दें। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इसी तरह के अनुरोध किए है।

## अंबानी के बेटे ने किया लॉकडाउन का विरोध

मुंबई एजेंसी। कारोबारी अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी ने कोरोना संकट से निपटने के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि, लॉकडाउन का मकसद स्वास्थ्य की चिंता करना नहीं है बल्कि नियंत्रण करना है और इससे समाज एवं अर्थव्यवस्था की कमर ही टूट जाएगी। रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा कि, सेमी-लॉकडाउन जैसे हालात से छोटे कारोबारियों और दिहाड़ी मजदूरों की जिंदगी प्रभावित होगी। एक ट्वीट में अनमोल अंबानी ने लिखा, पेशेवर अभिनेता अपनी फिल्मों की शूटिंग कर सकते हैं। प्रोफेशनल क्रिकेटर देर रात खेल सकते हैं। पेशेवर नेता रैलियां भी कर सकता हैं। लेकिन आपका कारोबार या काम जरूरी नहीं है। ट्वीटर लिखते हुए अनमोल अंबानी ने कहा, आखिर जरूरी होने का अर्थ क्या होता है? हर किसी का काम उसके लिए जरूरी होता है।

एक अन्य ट्वीट में अनमोल अंबानी ने कहा कि, इन लॉकडाउंस का हेल्थ से कोई संबंध नहीं रहा है। इनके चलते हमारे समाज की रीढ़ कहे जाने वाले दिहाड़ी मजदूर, सेल्फ एंप्लॉयड, रेस्तरां, ढाबा और कपड़ों की दुकानें चलाने वाले लोग तबाह हुए हैं। इसके अलावा इनके चलते हेल्थ भी खराब हो रही है क्योंकि जिम बंद किए जा रहे हैं। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और प्ले ग्राउंड्स पर भी रोक लग रही है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, धूप और ताजी हवा जरूरी होती है। यही नहीं अनमोल अंबानी ने कहा कि, यह उस नई पीढ़ी के लिए भी खतरनाक है, जो अपना इन बंदिशों के बीच और घरों में बंद होकर गुजार रही है। ऐसी स्थिति में भविष्य में उन्हें यही हालात सामान्य लगने लगेंगे।

## बर्बरता: मास्क नहीं लगाने को लेकर पुलिस ने बीच चौराहे पर पिटा, दो पुलिस आरक्षक निलंबित

इंदौर। कोविड-19 से बचाव के लिए कथित तौर पर मास्क नहीं लगाने को लेकर विवाद के बाद परदेशीपुरा क्षेत्र में एक व्यक्ति को दो पुलिस आरक्षक ने मंगलवार को सड़क पर पटक-पटक कर बेरहमी से सार्वजनिक रूप से पीटा। घटना का वीडियो वायरल होने पर दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

वीडियो में दो पुलिस कर्मी एक व्यक्ति को बुरी तरह पीटते दिखाई दे रहे हैं, जबकि उसका किशोर बेटा और कुछ महिलाएं पुलिसकर्मियों से रहम की भीख मांगती नजर आ रही हैं। लेकिन बेरहम पुलिस जिसने पुलिस महकमे को शर्मसार कर सार्वजनिक रूप से आवेश में आ-आकर वर्दी के तेज के साथ व्यक्ति को बेरहमी से पीटते ही रहे और लोग मुकदर्शक बन उक्त घटना का विडियो बनाकर देखते ही रहे।

पुलिस अधीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) आशुतोष बागरी ने बताया कि, वीडियो में दिखाई दे रहे दोनों आरक्षकों को अनुचित बर्ताव के चलते निलंबित कर दिया गया है और एक शहर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

### पीएम मोदी ने स्वास्थ्य सेवा में अनुसंधान, नवाचार का समर्थन करने की दोहराई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि, विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी के लिए हमारी कृतज्ञता और प्रशंसा की सराहना करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात काम करते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी लोगों की प्रशंसा करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। स्वास्थ्य सेवा में रिसर्च और इनोवेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का भी दिन है। उन्होंने मास्क पहनने, नियमित रूप से हाथ धोने और अन्य प्रोटोकॉल का पालन करने सहित सभी संभावित सावधानी बरतने पर कोविड-19 से लड़ने पर ध्यान देने को कहा।

**ग्राम पंचायत का सामने आया लापरवाही का मामला, महापुरुषों की तस्वीरों को डाला कचरे के ढेर में**

# संस्कार, संविधान और आदर्श कचरे के ढेर में...

### मीडिया के कवरेज की जानकारी लगते ही उठवा दी कचरे में पड़ी तस्वीरें, स्थापना दिवस पर मुखर्जी को पूजने वाले भाजपाईयों ने पंचायत की हरकत पर किया मौन धारण

**माही की गूंज, बामनिया। गौरव मंडारी**

चाल, चरित्र और चेहरे की बात करने वाले भाजपा के नुमाइंदे अपनी हरकतों से लगातार भाजपा को लजवा रहे हैं। आलम ये हो गया है कि, जिस दल से जुड़े हैं उनका न तो उनका सम्मान करते हैं, न ही उस दल की नींव रखने वाले का, न ही देश के संविधान लिखने वाले का और न ही उसका जिसको ये भारत माता के नाम पर पूज कर अपना वोट बैंक खड़ा कर रहे हैं।

जिस पंचायत में मुखर्जी का अपमान हुआ उसी पंचायत के भाजपाई मुख्य चौराहे पर मुखर्जी की तस्वीर पर पूल माला चढ़ाकर भाजपा का स्थापना दिवस मनाते हुए।

कचरे के ढेर में भारत माता और बाबा साहेब की तस्वीर।

कचरे के ढेर में भाजपा की नींव के पयतर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर।

मामला ग्राम पंचायत बामनिया का है जहां भ्रष्टाचार के समंदर में गोते लगा रही पंचायत पहले फर्जी मार्केट की आड़ में देश की आन-बान-शान तिरंगा स्थल को भी बेचकर खा गई। अब एक बार फिर ग्राम पंचायत सुर्खियों में आई है, भाजपा समर्थित ग्राम पंचायत बामनिया के जिम्मेदार सरपंच-सचिव ने ऐसे कर्मकांड को अंजाम दिया जिसको देखकर हर अब पंचायत की निंदा कर रहा है।

### संस्कार, संविधान और आदर्श कचरे के ढेर में, भारत माता सहित महापुरुषों की तस्वीरों को डाला कूड़े के ढेर में

ग्राम पंचायत बामनिया के पीछे से गुजर रहे नाले के पास पड़े कचरे के ढेर में जब कुछ युवाओं ने कचरे में भारत माता, संविधान के रचेता डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर और भाजपा की नींव रखने वाले श्याम प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर देखी, जिसकी जानकारी मीडिया को दी। जानकारी मिलने पर पत्रकारों ने मौके पर पहुंचकर फ़ोटो व वीडियो बनाए। कूड़े के ढेर में पड़ी महापुरुषों की तस्वीरों के साथ ग्राम पंचायत में आने वाले आवेदन और निजी दस्तावेज भी कचरे के ढेर में पड़े थे। बताया जा रहा है इन तस्वीरों के साथ महात्मा गांधी की तस्वीर भी फेंकी गई थी, जो किसी के द्वारा उठा ली गई। ये तस्वीरें ग्राम पंचायत में लगी रहती थी लेकिन मद में मस्त ग्राम पंचायत ने भारत माता और महापुरुषों को सम्मान देने की बजाए अपमान करते हुए कचरे के ढेर में डाल दिया।

### भाजपा के आदर्श मुखर्जी को भी नही छोड़ा

कहने को तो सरपंच सहित पूरी पंचायत बाही के लगभग भाजपा समर्थित है, ऊपर से शिक्षक सरपंच पति संजय मखोड़ को लगातार सोशल मीडिया पर भाजपा के लिए सक्रिय देखा जा सकता है। लेकिन जब बात भाजपा के सम्मान की आई तो भाजपा की नींव के पत्थर और आदर्श माने जाने वाले श्याम प्रसाद मुखर्जी जिनकी तस्वीर पंचायत में लगी उसको कूड़े के ढेर में फेंक दी। पत्रकारो के कवरेज की जानकारी जब ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को लगी तो कर्मचारियों को भेजकर कचरे में पड़ी तस्वीरों को उठवाया गया लेकिन सवाल ये उठता है कि शोशल मीडिया पर बड़े बड़े दावे करने वाले वास्तव में अपने आदर्श और संविधान के रचेता को कितना मान सम्मान देते हैं, संविधान के रचेता भीम राव अम्बेदकर साहब की तस्वीर को भी कचरे के ढेर में फेंका गया जिस पर अब राजनीति गर्मा सकती है। क्योंकि बाबा साब को लेकर कई संगठन पंचायत की इस हरकत के लिए सवाल खड़े कर सकते हैं।

### मची अफरा-तफरी

माही की गूंज की हमारी न्यूज वेबसाईट पर रविवार को पंचायत की उठ लापरवाही का खुलासा किया तो पंचायत के कर्ताधर्ता सरपंच पति के साथ सभी में अफरा-तफरी मच गई और अपनी गलतियों व अनदेखी को कर्मचारियों के मत्थे मामले को डालने का प्रयास कर अपने आपको सही साबित करने के प्रयास में जुट गए।

### स्थापना दिवस पर मुखर्जी को पूजने वाले रहे मौन

मंगलवार को नगर के मुख्य चोराहे पर भाजपा के स्थानीय गिने चुने कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा का 41 वां स्थापना दिवस मनाया, इस दौरान भाजपा नेताओं ने दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीरों पर माल्यार्पण किया, लेकिन यही भजपाई ग्राम पंचायत द्वारा भाजपा के नींव पुरुष की तस्वीर कूड़े कचरे में फेकने के मामले में मौन रहे। जबकि यही काम किसी कांग्रेस समर्थित पंचायत या सरपंच द्वारा किया गया होता तो इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर भाजपा के अपमान तक से जोड़ दिया जाता।

## अस्पतालों में दवा व ऑक्सीजन की कमी, लगेगा दो दिन का लॉकडाउन

**भोपाल।** प्रदेश में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से पैर पसार रहा है। प्रदेश में रविवार लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू लगाने के बावजूद कोरोना संक्रमण बेकाबू बना हुआ है। नए मरीजों में बढ़ोतरी और कोरोना से मरने वालों की संख्या में वृद्धि के बीच रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की कमी के चलते अस्पतालों की सांसें फूलने लगी हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने संकेत दिए हैं कि, संक्रमण की रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए दो दिन का संपूर्ण लॉकडाउन लगाने समेत कई और पाबंदियां लगाई जा सकती है।

प्रदेश में पिछले तीन दिन में तीन हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। मंगलवार को भोपाल में 618, इंदौर में 866 तो प्रदेश में कुल 3 हजार 722 नए मरीज मिले। तीनों ही आंकड़े कोरोनाकाल में पहली बार सामने आए हैं। वहीं इस समय प्रदेश में कोरोना के 24 हजार 155 सक्रिय मामले हैं। इन आंकड़ो ने शिवराज सरकार की परेशानी बढ़ा दी है।

### भोपाल में घिर 21 अंतिम संस्कार

राजधानी में कोविड मरीजों की मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को 21 शवों का अंतिम संस्कार हुआ। 21 शवों में से 14 शव भोपाल शहर के थे। जबकि जिला प्रशासन ने सिर्फएक कोविड मरीज की मौत बताई। भारतीय खेल प्राधिकरण में लगातार दूसरे दिन 18 खिलाड़ी पॉजिटिव मिले। दो दिन में यहां 36 खिलाड़ी संक्रमित हो चुके हैं। इस बीच नए रीजनल डायरेक्टर सत्यजीत संकृत भी भोपाल आ गए हैं। वहीं जबलपुर में 269 और ग्वालियर में 181 नए मरीज मिले।

# न मुक्तिधाम बने, न ही ग्राम पंचायत की मरम्मत हुई, न तालाब बना, न ही पानी की टंकी, न ही बना पुलिया और गटक गए राशि

## सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद आई अनियमित्ताएं सामने, भ्रष्टो की मिलीभगत से नहीं हो रही कोई कार्रवाई

**माही की गूंज, खवासा/भामल।**
**नारायण पालरा**

– देवकी वाली नाकी में नाम मात्र का काम कर निकाले साढ़े 4 लाख रूपए।

– पंचायत की वर्षो से नही हुई कोई मरम्मत पर भ्रष्ट प्रतिवर्ष कर रहे राशि आहरण।

– वृद्ध व दिव्यांग पैमा पिता कालु को नही मिल रही पेंसन।

भ्रष्टाचार को ही शिष्टाचार बना चुके हैं, नतीजन कितनी भी अनियमित्ताएं और भ्रष्टाचार पंचायत स्तर पर से ही क्यों न हो, लेकिन शिष्टाचार रूपी भ्रष्टाचार में कोई ठोस कार्रवाई किसी प्रकार की हो, यह उम्मीद इस भ्रष्ट तंत्र में करना महज ही बेमानी होगी।

जिले की पंचायतों में सरेआम बिना निर्माण के ही राशि को भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना चुके भ्रष्ट सभी की मिलीभगत के साथ फर्जी बिलों के माध्यम से सरकारी खजाने को खाली कर आम लोगों की खरी कमाई का पैसा खाकर डकार तक नहीं ले रहे हैं। जिसके खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत होने के बावजूद भी कोई कार्रवाई इस भ्रष्ट तंत्र में भ्रष्टों के विरुद्ध नहीं हो रही है। जिसका एक छोटा सा उदाहरण थांदला ब्लॉक की ग्राम पंचायत नौगांवा नगला में भी देखने को मिल रहा है।

ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत में बैठे नुमाइंदे सरपंच-सचिव के साथ इंजीनियर, समन्वयक जनपद से लेकर जिला जनपद तक की मिलीभगत के साथ बिना निर्माण, अधूरे निर्माण व घटिया निर्माण कर सरकारी खजाने से फर्जी बिलों के माध्यम से खुल्लेआम राशि आरहण करने के बावजूद कोई कार्रवाई भ्रष्टों के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रही है।

जानकारी मिलने के बाद माही की गूंज टीम व अन्य पत्रकार साथी के साथ ग्राम पंचायत नौगांवा नगला पहुंची तो, ग्राम पंचायत हमेशा की तरह बंद ही मिली। ग्रामीणों के साथ पंचायतों के नुमाइंदों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की वस्तुस्थिति जानी तो, ग्रामीणों द्वारा सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 13850980 पर ग्राम पंचायत नौगांवा नगला में बिना निर्माण के राशि आहरण एवं अधूरे और कार्य की शिकायत कर राशि आहरण करने के बाद कार्य को पूर्ण नहीं किए जाने की शिकायत की गई थी। संबंधी शिकायत के बाद सीएम हेल्पलाइन में की गई शिकायत के संबंध में थांदला सीएमओ रामचंद्र हालु ने चोर के हाथ में उस्तरा थमाने की तर्ज पर पंचायत समन्वयक अधिकारी अमरसिंग डामोर जिसकी जानकारी में ही ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार किया गया है को उक्त मामले में जांच कर शिकायत में दर्ज किए अपूर्ण कार्य को तत्काल पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करने हेतु 3 मार्च को आदेश पारित किए।

### कागजी घोड़े दौड़ाने हेतु समन्वयक ने मौका मुआयना कर लिए कथन

उक्त आदेश के बाद सिर्फऊपरी-ऊपरी कागजी घोड़े दौड़ाने हेतु एवं सीएम हेल्पलाइन में की गई शिकायत पर की जा रही जांच के नाम पर कार्रवाई से ग्रामीणों को संतुष्ट करने हेतु, पंचायत समन्वय अमरसिंग डामोर शिकायतकर्ता एवं ग्रामीणों के साथ मौका मुआयना किया और पाया कि, नौगांवा कालिया में देवकी वाली नाकी निस्तार तालाब लागत 14 लाख 99 हजार 477 रुपए हैं।

शिकायत अनुसार उक्त तालाब का कार्य पिछले ग्रीष्म काल में शुरू किया था। ग्रामीणों ने बताया, कार्य की शुरुआत से ही मशीन से नीव की पंडल की खुदाई की गई, जबकि ऊपरी तल पर मजदूरों द्वारा आराम से खुदाई कर मजदूरों को मजदूरी दी जा सकती थी। परंतु ग्राम पंचायत के नुमाइंदों द्वारा मशीन से वह भी नाम मात्र पंडल खोदकर बिना पानी व दबाई के मिट्टी पंडल में डाली जा रही थी। जिसका विरोध ग्रामीणों द्वारा करने पर पंचायत ने कार्य बंद कर दिया था, लेकिन साढे 4 लाख के करीब मामूली कार्य पर फर्जी रूप से जॉब कार्ड लगाकर मजदूरों के नाम से राशि आहरण कर ली गई, जो तालाब अभी भी अधूरा ही पड़ा है। पंचनामा कथन में समन्वयक ने अपनी चतुराई दिखाकर कार्य का उल्लेख नहीं कर नौगांवा कालिया में निर्माण कार्य देखा गया, जिसके कार्य नीव खोद कर काली मिट्टी डाली गई है शेष कार्य अधूरा है। पंचनामें में कहीं भी उक्त कार्य में तालाब के पडल की खुदाई स्टिमेन्ट के अनुसार की गई थी या नहीं का उल्लेख भी नहीं किया।

इसी प्रकार शमशान घाट नौगांवा कालिया में कुर्सी भरकर लोहे के एंगल लगाकर रखी है। वही नौगांवा सोमला में माही नदी के पास शमशान घाट का निर्माण नहीं देखा गया। सीसी मार्ग नौगांवा सोमला से प्रधानमंत्री सड़क से जुड़े मार्ग का निर्माण नहीं किया गया और न ही मौके पर बोल्डर पत्थर डले हुए हैं।

नौगांवा नगला में भूरिया फलिए में पिछले 15 वर्षो से सरपंच-सचिव द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया पाया। चूंकि उक्त सड़क बामनिया से लेकर तलावड़ा फंटे तक पिछले 15 वर्षों से बनी हुई है। उक्त मार्ग में ही ग्राम पंचायत द्वारा फर्जी रूप से निर्माण कार्य बताकर राशि आहरण की शिकायत की गई।

नौगांवा नगला में मंगलिया खेत वाली नाकी पर पंचायत द्वारा 4 लाख रूपए का पुलिया निर्माण होना बताया गया, लेकिन इस फलिए में किसी प्रकार के पुलिया निर्माण का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा नहीं किया, पाया गया।

10 जून 2020 को पंचायत के तीनों फलिए नौगांवा नगला, नौगांवा सोमला, नौगांवा कालिया में हेडपंप वाले स्थान पर पानी टेंक के साथ हौज निर्माण लागत 24-24 हजार रूपए का ग्राम पंचायत द्वारा करना बताया गया, लेकिन उक्त निर्माण नहीं होना पाया गया। इसी प्रकार विधायक निधि से मिला टैंकर निजी व्यक्ति को दिए जाने एवं उसका किराया वसूलने के साथ ही पात्र व्यक्तियों को पेंशन नहीं मिलना आदि पंचनामा कथन मौका मुआयना के साथ लिए गए हैं। लेकिन यह तय है कि, उक्त सारी अनियमित्ताओं के साथ बिना निर्माण के ही सब की मिलीभगत के साथ पंचायत के नुमाइंदों द्वारा बिना निर्माण के ही निकाली गई राशि का खुलासा होने के बाद भी भ्रष्ट अधिकारी ले-देकर अन्य मामलों की तरह उक्त मामलो में भी कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी की बात ग्रामीण भी मांन रहे हैं।

# आखिर क्यों कि युवा व्यवसाई ने आत्महत्या, नगर बना चर्चा का विषय

## आत्महत्या के कारण अब तक अज्ञात





**माही की गूंज, पेटलावद।**

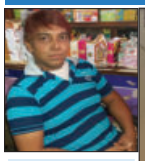

मंगलवार को नगर की प्रसिद्ध किराना फर्म सूरजमल रत्तिचन्द जैन के संचालक महेंद्र पिता सूरजमल जैन ने अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिवार को जानकारी मिलने पर महेंद्र मोनन्त जैन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थोक किराना व्यापार का काम उदय गार्डन के पास में एक मकान में करते थे जो कि, विगत कुछ दिनों से दुकान भी बन्द थी। महेन्द्र पैरों से विकलांग थे लेकिन उसके बाद भी उनके व्यवसाय करने की क्षमता का लोहा हर कोई मानता था और नगर सहित आस-पास के जिलों में फर्म का बड़ा लेन-देन था।

महेंद्र की मौत की खबर फैलने पर व्यापारी वर्ग में शोक की लहर छा गई। महेंद्र ने आत्महत्या क्यो की या उनके साथ कोई और अनहोनी हुई है, इसकी जानकारी अभी नही मिल सकी है और नगर में चर्चाओ का दौर चल रहा है। हॉस्पिटल से मामले की सूचना पुलिस थाना पेटलावद को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

# रोटरी क्लब झाबुआ ने किया राम भक्तों का सम्मान

**माही की गूंज, झाबुआ।**



रोटरी क्लब झाबुआ ने शहर के दो ऐसे व्यापारियों का सम्मान शाल-श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर किया। जिन्होंने पूर्व के वर्षो से शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा में स्थित राम मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए आमजनों से लगातार संपर्क किया। आर्थिक सहयोग लेकर उस मंदिर को सुंदर स्वरूप प्रदान किया।

मंगलवार रात्रि राम भक्तों का सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय राजवाड़ा स्थित राम मंदिर पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रतलाम झाबुआ सांसद जीएस डामोर और सूरज डामोर थे। समारोह के पूर्व सांसद डामोर व उनकी पत्नी सूरज डामोर ने राम मंदिर पर आरती का लाभ लिया। इसके बाद समाजसेवी यशवंत भंडारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।सर्वप्रथम विशेष अतिथि सांसद जीएस डामोर का स्वागत राम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने किया व उनकी पत्नी सूरज डामोर का स्वागत चौहान ने किया। सांसद डामोर ने राम भक्तों को संबोधित भी किया। सांसद डामोर ने राम मंदिर सेवा समिति के सक्रिय सदस्य राजेंद्र यादव और ताराचंद गादीया को, मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर किए गए प्रयासों के लिए साधुवाद भी दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सांसद डामोर ने शाल श्रीफल देकर रामभक्त ताराचंद गादीया का बहुमान किया। राजेन्द्र यादव की अनुपस्थिति में उनके पुत्र बिट्टू यादव को पिता की सेवाओं के लिए शाल श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इसके बाद रोटरी क्लब अध्यक्ष अध्यक्ष मनोज अरोरा, सचिव कार्तिक नीमा, समाज सेवी यशवंत भंडारी, अजय रामावत, एडवोकेट उमंग सक्सेना, सकल वयापारी संघ अध्यक्ष नीरज राठौर, राम सेवा समिति अध्यक्ष अशोक शर्मा, हिंदू जागृति मंच से हिमांशु त्रिवेदी भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष मितेश गादिया आदि ने दोनों राम भक्त राजेंद्र यादव और ताराचंद गादीया को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी यशवंत भंडारी ने किया व आभार रोटरी क्लब सचिव कार्तिक नीमा ने माना।

# 8 अप्रैल को होगा उद्योगों का वर्चुअल शुभांरभ

**माही की गूंज, झाबुआ।** मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा 8 अप्रेल यानी आज झाबुआ जिले में उद्योगों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया जाएगा। जिले में आगामी समय में 11 उद्योग स्थापित होने जा रहे है। इन उद्यागों में लगभग 531 करोड़ का पूंजी निवेश होकर 2 हजार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। 8 अप्रेल को आयोजित प्रदेशव्यापी कार्यक्रम में झाबुआ जिले के 3 उद्योगों का लोकार्पण भूमिपूजन किया जा रहा है। इनमें मेसर्स डीएससहगल, मेघनगर का भूमि पूंजन तथा मेसर्स दर्शीनी टेड्रर्स, पेटलावद का लोकार्पण तथा महिला उद्यमी द्वारा संचालित गीतांजलि टेड्रर्स, राणापुर झाबुआ का लोकापर्ण भी होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम नवनिर्मित जिला पंचायत झाबुआ में सांसद गुमानसिंह डामोर के अतिथ्य में आयोजित होगा।

उल्लेखनीय है कि जिले के मेघनगर में 223.0 हैक्टेयर व कसारबर्डी में 71.75 हैक्टेयर में औद्योगिक क्षैत्र स्थापित है। यहां स्थापित उद्योगों में मुख्यतरू रसायन, खनिज, उर्वरक, कृषि आधारित, मसाला उद्योग, आदि प्रमुख है। वर्तमान में जिले में स्थापित 123 उद्योगों में पूंजी निवेश रुपये 198 करोड़ तथा 2225 व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा है। जिले में नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए ग्राम कसारबर्डी, बामनिया, खवासा, सागवा, रतनाली, देवगढ़, कुडियांपाड़ा, फुटतालाब (झाबुआ) में लगभग 697.613 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गई है। जिले में वर्ष 2020-21 में 22 उद्योग स्थापित हो चुके है। इनमें से 16 उद्योगों में उत्पादन शुरू हो चुका है। वहीं 6 उद्योगों में जून 2021 तक उत्पादन शुरू होने की संभावना है। शासन प्रायोजित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में युवाओं को स्वयं का उद्योग या सेवा स्थापित करने के लिए परियोजना लागत रुपये 25 लाख का बैंक ऋण व मार्जिनमनी अनुदान सहायता दी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा वित्तपोषित इकाईयों को 15 प्रतिशत से लेकर 35 प्रतिशत तक पात्रतानुसार अनुदान दिया जा रहा है। जिले में योजना अंतर्गत 124 युवाओं को वर्ष 2020-21 में ऋण उपलब्ध करवाया गया है।

# 'मास्क नहीं तो सामान नहीं' मुहिम की मुख्यमंत्री की सराहना

**माही की गूंज, झाबुआ।**

6 अप्रैल को लगभग 15 जिले के सामाजिक कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना संक्रमण रोकने के लिए चलाई जा रही 'स्वास्थ्य आग्रह' कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक संगठनों संबोधित किया। इस दौरान झाबुआ से सामाजिक संगठन के रूप में सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष तथा रोटरी क्लब के अध्यक्ष कलेक्ट्रेट के वीडियो कांफ्रेंसिंग सभाग्रह में उपस्थित थे।

सकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से सीधे बात करते हुए सभी आयु वर्ग के लोगों को कोरोना का टीका लगाने का निवेदन किया। कोरोना काल के दौरान व्यापारियों की होने वाली अनेक समस्याओं जैसे व्यापारियों के खिलाफभारीभरकम चालान नहीं बनाने, व्यापारियों के लिए अलग से टीकाकरण की व्यवस्था करने तथा अकारण दुकानों की सिलबन्दी नहीं किए जाने, जैसी अनेक बातों से मुख्यमंत्री को रूबरू किया गया। साथ ही कोरोना मुक्ति के लिए प्रशासन के साथ पूरे प्रदेश में सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी तथा जिम्मेदारी तय करने की बात राठौर ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

### मुख्यमंत्री की किया आभार व्यक्त

सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा आम लोगों को जागृत करने तथा व्यापारियों को सचेत करने के लिए चलाई जा रही एक मुहिम 'मास्क नहीं तो सामान नहीं' की जानकारी से भी मुख्यमंत्री को रूबरू कराया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने व्यापारी संघ द्वारा बनाया गया फोल्डर देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरे सकल व्यापारी संघ झाबुआ का आभार व्यक्त किया है। साथ ही प्रदेश के अन्य संगठनों से भी कोरोना के खिलाफऐसी मुहिम चलाए जाने का आव्हान भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया है। इस दौरान रोटरी क्लब झाबुआ के अध्यक्ष मनोज अरोरा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में बताया कि जिले में जहां भी हाट बाजार लगते हैं, कोरोना काल के दौरान उन पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। धर्म गुरुओं को टीका लगाकर समाज में संदेश पहुंचाने का आग्रह भी मुख्यमंत्री से किया गया। जिले में कोरोना की दवाई रेमडेसीविर की ब्लैक मार्केटिंग का मुद्दा भी इस बैठक के दौरान अरोड़ा द्वारा उठाया गया। इस अवसर पर वीडियो कांफ्रेंसिंग सभाग्रह में अपर कलेक्टर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, एडीएम बघेल उपस्थित थे।

# भाजपा स्थापना दिवस मनाया गया

## पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर फहराया गया पार्टी का ध्वज



**माही की गूंज, झाबुआ।** भाजपा के 41 वें स्थापना दिवस पर शहर के राजगढ़ नाका पर पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर भी शाम को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गुमानसिंह डामोर उपस्थित थे। उन्होंने पार्टी के वर्ष 1925 से लेकर अब तक के कार्यकाल में एनडीएन सरकार तथा पार्टी की ओर से लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से अवगत करवाया।

योगेन्द्र नाहर ने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम सांसद डामोर ने पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उसके बाद यहां पार्टी का ध्वज फहराया गया। सांसद डामोर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा का इतिहास काफी उम्दा रहा है। इस दौरान सभी ने भारत माता और वंदे मातरम् के सामूहिक जयघोष भी लगाए। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दौलत भावसार ने किया तथा आभार नेता प्रतिपक्ष व भाजपा मंडल महामंत्री जुवानसिंह गुंडिया ने माना। इस अवसर पर योगेन्द्र नाहर, दीपेशे बबलू, सकलेचा, पूर्व महामंत्री हेमेन्द्र नाना राठौर, भाजपा मंडल झाबुआ से जुड़े रतनसिंह डावर, मितेश गादिया, वाणी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# रोजगार सहायक ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और चौकीदार की हाजरी भर कर किया मजदूरी का फर्जी भुगतान

## ग्रामीणों ने जनसुनवाई में की शिकायत, पंचायतो में सामने आए फर्जी भुगतान के मामले, नही हुई कार्रवाई

**माही की गूंज, पेटलावद।**

जनपद पंचायत पेटलावद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार चरम पर है। ग्राम पंचायतों में बैठे भ्रष्ट सरपंच-सचिव तथा रोजगार सहायक ने मिलकर शासन की राशि का उपयोग जनहित के बजाए अपना हित साधने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। खास बात यह है कि, ग्राम पंचायत में पनपते भ्रष्टाचार की शिकायते गांव के जागरूक पढ़े-लिखे युवा समय-समय पर जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष करते आ रहे है। किंतु जब भ्रष्टाचार में पूरा बांस ही पोला हो तो ग्रामीण कार्रवाई की आस किससे लगाए। कार्रवाई के अभाव में भ्रष्टाचारियों के हौसले इतने बुलंद हो गए है कि, वह किसी भी नियम के विरुद्ध कार्य करने मे कोई कसर नही छोड़ रहे है।

### यह है मामला

पेटलावद जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कालीघाटी के गांव भक्तिया में सरपंच-सचिव एवं रोजगार सहायक ने जमकर भ्रष्टाचार किया है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने कई बार लिखित में जनपद सीईओ से की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नही हुई। शिकायतकर्ता ने गांव भक्तिया में नन्दू के घर से स्कूल तक रोड़ नही बनने की शिकायत जनपद सीईओ से की थी, उसके बाद जनपद की एक टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया था, जहां मौके पर रोड़ नही बनना पाया गया था। बाद में अधिकारियों की टीम ने पंचनामा बनाकर शिकायतकर्ता को आश्वस्त किया था कि, मार्च माह में रोड़ का काम पूरा कर दिया जाएगा। लेकिन आज तक मोके पर रोड़ नही बन पाया। इसके बाद ग्रामीणों ने 181 मुख्यमंत्री ऑनलाइन पर शिकायत भी दर्ज करवाई थी। लेकिन जनपद के अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शिकायत निरस्त करवा दी थी। अब जिम्मेदार अधिकारी भी जवाब देने से बच रहे है।

### निर्माण कार्यो में भारी धांदली

ग्रामीणजन मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे ओर भ्रष्टो के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। ग्राम पंचायत कालीघाटी के भक्तिया तथा कुण्डली के ग्रामीणों ने रोजगार सहायक छतरसिंह हटिला पर निर्माण कार्यो में भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए है। जनसुनवाई में की गई शिकायत में बताया कि, रोजगार सहायक छतरसिंह के द्वारा ग्राम पंचायत में चल रहे जनहित के निर्माण कार्यो में भ्रष्टाचार करते हुए गरीब व जरूरतमंदों लोगो के रुपए पंचायत से निकालकर हड़प किए जा रहे है। यहां तक की मृत हो चुके रामूड़ी पति अम्बाराम डामर, किशन पिता सुखराम गामड़ निवासी गरवाड़ी व कालीघाटी एवं राजूड़ी पति गालियां सोलंकी कास्याखाली, पूना पिता मयाराम डामर के वर्तमान में जॉब कार्ड चल रहे है और उनके जॉबकार्ड की राशि भी फर्जी तरीके से निकाली जा रही है।

### सरकारी नोकरी वाले के भी लगे जॉबकार्ड

सरकारी नोकरी करने वाले के भी फर्जी जॉबकार्ड चलाकर शासन की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रामकन्या पति बाबूलाल खराड़ी, आशा कार्यकर्ता शांति पति विष्णु मचार कुंडली ओर चौकीदार हरिराम पिता हीरा मुणिया निवासी कास्याखाली के भी जॉबकार्ड बनाकर उनके नाम से राशि निकाली जा रही है। नियम अनुसार जरूरत मंद ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध करवाना है ताकि उनका व परिवार का भरण पोषण हो सके। किंतु जिम्मेदार अधिकारियों और भृष्ट सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक की मिलीभगत से ग्रामीणजनों को शासन की योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा है। इसके साथ ही अन्य प्रकार के निर्माण कार्यो में भी काफी अनियमित्ता करते हुए शासन की राशि का दुरुपयोग किया गया है। जिम्मेदार अधिकारी अगर ईमानदारी से नियमानुसार जांच करे तो ग्राम पंचायतो में बड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आ सकते है।

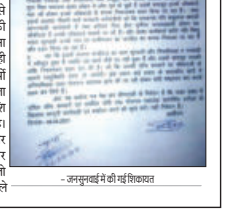


– जनसुनवाई में की गई शिकायत

# आखिर झकनावदा के साथ सांसद क्यों कर रहे है सौतेला व्यवहार?

## सांसद व विधायक प्रतिनिधि का गृह क्षेत्र के साथ शासन की उदासीनता के कारण गांव की जनता पानी की बूंद-बूंद को तरस रही

**माही की गुंज, झकनावदा। रमेश सोलंकी/आनंद सिंह सौलंकी**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नल-जल मिशन 2022 के अंतर्गत रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर सांसद गुमान सिंह डामोर जिले के हर क्षेत्र का दौरा कर वहां पर नल-जल योजना का भूमि पूजन कर रहे है व कई जगह पानी की टंकी का शिलान्यास भी कर दिया है। करोड़ो रुपए के विकास कार्य की सौगात जिले के को दी है। प्रधानमंत्री मोदी के मिशन 2022 तक हर घर बिजली, हर घर नल-जल की व्यवस्था हर हाल में हो, के सपने को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास अभी से शुरू कर दिए गए है। इसी क्रम में सांसद ने ताबड़-तोड़ 5 अप्रैल सोमवार को झकनावदा क्षेत्र का दौरा कर एक करोड़ के विकास कार्यो की सौगात ग्राम पंचायत को दी। जिसमें बोरिया में नल-जल योजना में पानी की टंकी का भूमि पूजन किया, श्रृंगेश्वर धाम घाट के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा की एवं ग्राम गुलरी पाड़ा में पानी की टंकी के लिए भूमि पूजन किया। साथ ही 100 गायों के लिए 38 लाख रूपए गौशाला के लिए दिए, शॉपिंग मॉल के लिए झकनावदा में 10 लाख एवं जनपद पंचायत पेटलावद से 15 लाख रुपए की घोषणा की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झकनावदा में डिजिटल एक्स-रे मशीन, ईसीजी मशीन व लेब के लिए 15 लाख रुपए, हाई सेकेंड्री स्कूल में फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायालोजी लैब के लिए 11 लाख रुपए, हाट बाजार में जाने के लिए गाछा खाली पर पुल के लिए अलग से राशि एवं सीसी रोड के लिए 3 लाख रुपए की घोषणा की। इस दौरान ग्राम पंचायत बोलासा में पानी की टंकी के लिए 55 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है।

अब देखना यह दिलचस्प होगा कि, इन विकास कार्यों में सांसद कितनी गति ला पाते है। कितना कागज पर और कितना धरातल पर काम होता है, यह तो वक्त ही बताएगा। इतने बड़े-बड़े विकास कार्यों की घोषणा होने के बाद कितनी ही सरकारे आई और गई, लेकिन अभी तक ग्राम पंचायत झकनावदा की नल-जल व्यवस्था को पूरी नहीं कर पाई। आज भी ग्राम पंचायत झकनावदा की जनता पानी की बूंद-बूंद को तरस रही है और हालत ये है कि, बहुत से बोरवेल गर्मी के पहले चरण में ही बन्द हो गए, हैंडपंप से भी पानी नहीं निकल रहा है, बहुत पुराने कुए भी जवाब दे चुके हैं और करीब 10 से 15 दिन में गांव के नलो में पानी आ रहा है। अप्रैल माह चालू ही हुआ है, तेज गर्मी में लोग लू से बेहाल है, अभी तो 3 महीने गर्मी के निकालना बाकी है।

दूसरी और झकनावदा नगर के लोग जल संकट से जूझ रहे हैं बावजूद इसके कि, माही नदी झकनावदा से महज 5 किलोमीटर दूर स्थित है, उस का जल आज भी करीब 30 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित धार जिले की सीमा क्षेत्र में बसे हुए लोगों अपनी प्यास बुझा रहा है और उन लोगों के लिए एक वरदान साबित हुआ है। जबकि झकनावदा माही नदी के पास ही स्थित है और मधु कन्या नदी माही नदी में जाकर मिल रही है, उसके बावजूद भी लोगों के बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी आज तक ग्राम पंचायत, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि द्वारा इस समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आज इनकी बदौलत ही झकनावदा को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी तक नहीं मिल पा रहा है।

### पानी की समस्या को लेकर कोई घोषणा धरातल पर नहीं उतरी

ग्राम झकनावदा के साथ पानी को लेकर सौतेला व्यवहार किया गया? झकनावदा में माही का पानी इरीगेशन लिफ्ट से लाने के लिए हमारे क्षेत्र की पूर्व विधायिका सुश्री निर्मला भूरिया ने कई बार घोषणा की थी और कई बार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस समस्या को घोषणा की, परंतु आज भी वह घोषणा कहीं कागज में दबी हुई है।

### सोशल मीडिया पर जनता निकाल रही गुस्सा

पानी की कमी से जूझ रहे नगरवासी अपनी भड़ास सोशल मीडिया पर निकाल कर नगर में पर्याप्त पानी और कोई व्यवस्था नही होने की बात कर रहे हैं। जिस पर ग्राम पंचायत अपनी और टका सा जबाब देकर बचने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने पानी के लिए नगर 13 स्थानो पर पांइन्ट देकर पानी की व्यवस्था की है, लेकिन वो पांइन्ट कब और कितने दिन में चलते हैं इसकी कोई जानकारी नही दी। देखा जाए तो नगर लंबे समय से भीषण जल संकट झेलने को मजबूर हैं और माही नदी के पास में होने के बाद भी लोगों के कंठ प्यासे है क्योंकि नदी तो है, लेकिन वहां से लोगो के घरों तक सुव्यवथित पानी पहुंचाने के लिए कोई कार्य योजना नही है न ही जिम्मेदारो का इस और ध्यान है।

# टिनशेड और कवेलु पोश मकान में अज्ञात कारणों से लगी आग, मवेशी भी जली

**माही की गूंज, कुशलगढ़।**

क्षेत्र के दो गांवों में सोमवार-मंगलवार रात को टीनशेड और कवेलुपोश मकान में अज्ञात कारणों से आग लगने से दो बकरियां जिंदा जल गई, वहीं कवेलुपोश मकान में आग से पचास हजार रूपए के करीब का नुक़सान हुआ है।

मिली जानकारी अनुसार घटना थाना क्षेत्र के आमलीपाडा गांव निवासी गबु बारिया के पक्के मकान के पास ही टीनशेड से बने मवेशी घर में रात में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की और से कुशलगढ़ प्रधान कानहिंग रावत सहित नगरपालिका को सूचना देने पर दमकल पहुंचा, इससे पहले दो बकरियां अंदर ही जिंदा जल गई।

वहीं टीमेडा छोटा निवासी खुमचंद पिता हरिया के कवेलुपोश मकान में भी सोमवार-मंगलवार रात अचानक आग लग गई, धूंआ और लपटें उठती देख आस-पास के ग्रामीणों ने कुंए से मोटर चलाकर आग पर काबुल पाया। आग लगने से पिडित के खाने-पीने का सामान, कपड़े, बिस्तर आदि जलने से करीब पचास हजार रूपए का नूकसान हुआ है। टीमेडा छोटा सरपंच प्रतिनिधि एडवोकेट महेश मईडा भी घटना को लेकर पिडित के घर पहुंचे तथा हरसंभव सरकारी आर्थिक सहायता हेतू आश्वस्त कर ढांढस बंधाया।

## अगराल में बना कॉविड सेंटर

**माही की गूंज, मेघनगर।** अगराल रोड पर स्थित आईटीआई कॉलेज को साफ-सफाई एवं सैनिटाइज कर कोविड सेंटर बनाया जा रहा है। एसडीएम कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार, बढ़ते कोरोना के केस की संख्या को देखते हुए आईटीआई कॉलेज में 90 से 100 बेड की व्यवस्था की जा रही है। इसी को देखते हुए अगराल में स्थित आईटीआई कॉलेज को मेघनगर का कोविड सेंटर बनाया जा रहा है, जहां पर कोरोना संक्रमित मरीज को अच्छी तरह से रखा जा सके एवं उनके पानी व खाने-पीने की व्यवस्था भी अच्छी तरह से की जा सके। इस कार्य में एसडीएम एलएन गर्ग, तहसीलदार हर्ष बरहानी एवं नगर परिषद सीएमओ विकास डावर के साथ सभी कर्मचारी लगे हुए हैं।

# केन्द्र द्वारा खराब क्वालिटी का गेंहु बताकर किसानों के वापस भेजने पर भड़के विधायक

## सायालो केन्द्र का विधायक चौधरी ने किया निरीक्षण

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

गेहूं उपार्जन सायलो केंद्र का कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी ने निरीक्षण किया और खराब व्यवस्थाएं देखकर सहायता केंद्र प्रभारी पर भड़क उठे। साथ ही साइलो केंद्र प्रभारी से कहा कि, गेहूं की गुणवत्ता की जांच किस प्रकार की जाती है यह मुझे बताइएगा। इस पर प्रभारी द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। शाजापुर के पोलायकलां तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोरटा केवडी में स्थित गेहूं उपार्जन सायलो केंद्र पर पोलायकला तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव को निर्देश देते हुए कहा कि, मेरा किसान मेरा अन्नदाता है, यहा कोई परेशानी नहीं होना चाहिए। बारिश की वजह से गेहूं की क्वालिटी खराब हुई है परंतु इसको ख़राब बताकर किसानों का साथ धोखाधड़ी करके गेहूं वापस नहीं होगा। बड़ी मेहनत से प्राकृतिक आपदाओं से बचाकर किसानों द्वारा फसल पैदा करके, गेहूं उपार्जन केंद्र पर उपज बेचने के लिए कड़ी धूप में किसान खड़ा है और खून पसीने से पैदा हुई फसल को भी अगर आप लोगों के द्वारा खराब या क्वालिटी विहिन बताकर वापस किया गया तो, मैं किसानों के साथ खड़ा हूं सरकार के खिलाफ आंदोलन करने से भी नहीं डरूंगा। कांग्रेस ने किसानों के हित में नई सेवा प्रारंभ करके किसान टोल फ्री नंबर दिया है अगर किसानों को किसी प्रकार की समस्या आती है तो टोल फ्री नंबर पर तत्काल फोन करें, उनकी समस्या का समाधान करने के लिए कांग्रेस का प्रतिनिधि वहां पर उपस्थित होगा।

विधायक चौधरी ने बताया कि, सायलों केंद्र से डेढ़ किलोमीटर की लंबी लाइन ट्रैक्टरों की लगी हुई है, जिससे की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से तहस-नहस हो चुकी है जो हादसे को आमंत्रण दे रही है। पास में ही सुपर विजन इंटरनेशनल स्कूल है जहां पर छात्र-छात्राओं का सुबह 8 बजे से 1 बजे तक आना-जाना लगा रहता है। परंतु सायलों केंद्र की तरफसे ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कोई भी ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया गया है। जिससे कि, स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ में कोई भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

# आदिवासी अंचल के विद्यालय के समय में बदलाव की जरूरत

## अधिकांश विद्यालय में पानी की समुचित व्यवस्था नही

**माही की गूंज, थांदला।**

आदिवासी अंचल में दूर-दराज से बच्चे विद्या अध्यन के लिए विद्यालय आते है, चुंकी अप्रैल माह में ही प्रचंड गर्मी का प्रकोप है, इसलिए छात्र हित को ध्यान में रखते हुए हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी विद्यालयों का प्रचंड गर्मी के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन एवं सरकार को अविलंब निर्णय लेकर विद्यालय संचालन का समय बदल कर प्रातः 7 से 12 का समय निर्धारित किया जाना चाहिए। भीषण गर्मी को देखते हुए अधिकांश विद्यालयों में पानी पीने की व्यवस्था नही है, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में बिजली, पंखे की व्यवस्था भी नहीं है, कहीं है तो ही गर्मी से निपटने की समुचित व्यवस्था होती है। सरकार द्वारा कक्षा 9 से 5 तक के बच्चो को पढ़ाने की बात कर रही है, किंतु मौसम और भौतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह अव्यवहारिक परेशानिया उत्पन्न हो रही है। अत्यधिक गर्मी की वजह से हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में छात्र, छात्राओं की उपस्थिति कम हो गई है, अधिकांश कोर्स भी पूरा हो चुका है फिर भी सरकार के तुगलूकी फरमान से विद्यालयों की दुर्गति के साथ-साथ बच्चो का जीवन भी दांव पर लगा है। दूसरी तरफ कोविड-19 का प्रकोप भी स्कूलों में बढ़ रहा है, शिक्षक, बच्चो सहित संक्रमण फैलने की खबरे भी प्राप्त हो रही है। बीते वर्षो में फरवरी और मार्च के बीच में बोर्ड परीक्षा सम्पन हो जाया करती थी जो कि, इस वर्ष नही हो पा रही है। बहरहाल जो भी हो कोविड के पूर्व विद्यालय जैसा भी चलता था वहा तक ठीक था। किंतु जिला प्रशासन को एसी चैम्बर से निकलकर त्वरित निर्णय लेकर विद्यालय, बच्चो सहित शिक्षक की सुध लेना होगी। अगर प्रशासन ने देर की तो भयावह परिणाम देखने को मिल सकते है।

## भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यालय की हुई स्थापना

**माही की गूंज, सारंगी।** भाजपा सारंगी मंडल में कई वर्षो से बिना कार्यालय के ही कार्य किए जा रहे थे। लेकिन संगठन ने जब से सारंगी ग्रामीण मंडल बनाया, उसके बाद मंडल में बड़े स्तर पर भाजपा सक्रिय होकर कार्य कर रही और यहां के कार्यकर्ताओं की कार्यालय की मांग हमेशा रहती थी। जिसे मंडल अध्यक्ष ने जरूरी मानते हुए कार्यालय की व्यवस्था ध्यान में रखते हुए स्थापना दिवस पर ही कार्यकर्ताओं को 6 अप्रैल को कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यालय शुभारंभ अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन रखा गया और अतिथियों की उपस्थिति में फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया गया।

### बूथ स्तर पर मनाया स्थापना दिवस

मंडल की 26 पंचायतों के हर बूथ पर प्रभारी और पंचायत प्रभारी ने तय समय पर पहुंचकर स्थापना दिवस मनाया। पहली बार हर बूथ पर भाजपा का स्थापना दिवस मनाया गया जिसे पहले पंचायत स्तर पर ही मनाते थे।

## सारा ऐप पर उपलब्ध सार्थक माड्यूल का बहिष्कार करेंगे पटवारी

### आयुक्त के नाम सौंपा ज्ञापन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

प्रदेश भर के पटवारी सारा एप पर उपलब्ध सार्थक माड्यूल का बहिष्कार करेंगे। इसकी वजह आयुक्त भू अभिलेख द्वारा दिया गया वह आदेश है जिसमें सोमवार और गुरुवार को पटवारियों की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उपस्थिति सारा एप पर सार्थक माड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराने के निर्देश जारी किए गए है। मामले में मंगलवार को मप्र पटवारी संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश मूलेवा तहसील अध्यक्ष नानूराम मेरावत के नेतृत्व में आयुक्त के नाम अपर कलेक्टर एमएल मालवीय एवं झाबुआ तहसीलदार प्रवीण ओहरिया को ज्ञापन सौंपा गया। प्रयोग के तौर पर प्रदेश की दो तहसील बैरसिया और बदनावर से इसकी शुरुआत की गई है। जिससे कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें आ रही है।इसलिए सारा एप से सार्थक माड्यूल को तत्काल हटाया जाए। साथ ही पटवारियों की ऑनलाइन उपस्थित दर्ज कराने के आदेश को तुरंत निरस्त किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो प्रदेश के समस्त पटवारी सारा एप के विरोध में आंदोलन करेंगे।

इसी प्रकार विरोध स्वरूप जिले के अन्य तहसीलों में भी ज्ञापन सौंपे गये है। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष सर्वश्री नानूराम मेरावतए गोविन्द हाड़ाए अभय व्यासए जालम अमलियर ए ऋषि जायँसवाल ए चन्दनसिंह नायकए महावीर दोहरेए सहितबड़ी संख्या में पटवारीगण उपस्तिथत थे।

## दशा माता की पूजा-अर्चना कर मांगी खुशहाली

**माही की गूंज, मेघनगर।** मंगलवार को स्थानीय में दशहरा मैदान स्थित पीपल के पेड़ के नीचे दशा माता की पूजा-अर्चना महिलाओं ने बड़ी संख्या में सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शुरू कर दी। पुजा स्थल पर सभी महिलाएं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मुंह पर मास्क लगाकर माता जी की पूजा करती नजर आई। माता जी को अबीर, गुलाल, कंकू, मेहंदी, चंदन, पान, सुपारी, नारियल आदि अर्पित कर, पीपल के पेड़ पर धागा बांधकर, चूरमा का भोग लगाकर पुजा की। सभी ने दशा माता की कहानी सुनी और सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की सरकारी अस्पताल में स्थित शंकर मंदिर पर भी माता दशा की पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित हुई।

## टिकाकरण केंद्र का निरिक्षण कर वस्तुस्थति का लिया जायजा



**माही की गूंज, थांदला ।** वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम हेतु शासन द्वारा आमजन को कोविड-19 से बचाव हेतु टीका लगाया जाना प्रारम्भ हो चुका है। इसी तारतम्य में नगर परिषद थांदला के अध्यक्ष बंटी डामोर ने थांदला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सिविल अस्पताल) में कोविड-19 के टीकाकरण हेतु पहुंच रहे नगर के गणमान्य नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की वस्तुस्थिति जानने पहुंचे। जहां अस्पताल परिसर में पानी एवं टेंट की समुचित व्यवस्था होकर अस्पताल विभाग के कर्मचारियों से संपर्क किया गया। जहां पाया कि, अस्पताल विभाग के स्टाफ द्वारा नागरिको को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। आमजन को टिकाकरण उपरांत अस्पताल परिसर में 30 मिनट तक आराम करवाया जाकर उसके पश्चात् सकुशल अपने निवास पर जाने दिया जाता है। निरिक्षण में प्रदेश कार्यकारणी समति सदस्य प्रशांत उपाध्याय, गौरांकसिंह राठौर, यशदीप अरोरा, धार्मिक आचार्य आदि उपस्थित थे। नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर द्वारा आमजन से यही अनुरोध है की आवश्यक होने से ही घर से बाहर निकले एवं मास्क भी अवश्य लगाए साथ ही आप अपने आस पास के रहवासियों एवं परिवारजनो को भी यह समझाइश अवश्य दे।

# दस दिन में बदला तीसरा आरईएस एसडीओ, रामा के सहायक यंत्री डकिते को मिला दूसरी बार चार्ज

## क्या फर्जी कामों पर लगेगी रोक या लेन-देन कर चलता रहेगा काम?

**माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत**

अधिकारीयों और नेताओं सहित कई पत्रकारो की दुधारू गाय बन चुके ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग पेटलावद से पूर्व एसडीओ डीके अग्रवाल की रवानगी के बाद पेटलावद के एसडीओ के लिए पिछले 10 दिन में तीन बार नामो का परिवर्तन किया गया। लगातार सुर्खियों में बने हुए आरईएस विभाग पेटलावद के माध्यम से होने वाले कामो में भारी लापरवाही और भ्रष्टाचार की खबरे छपने के बाद जिले में मौजूद अधिकारी कहीं न कहीं पेटलावद आने में संकोच कर रहे हैं कि, नए एसडीओ के आने तक प्रभारी एसडीओ बनकर कहीं नोकरी दांव पर नही लग जाए। विभाग के जिला कार्यपालन यंत्री सुरेश पंवार के रिटायमेंट के बाद फिलहाल चार्ज थांदला के एसडीओ चौहान को दिया गया। वहीं जाने से पूर्व पंवार ने आनन-फानन में अग्रवाल को रिलीव कर रामा के सहायक यंत्री डकिते को पेटलावद का प्रभार दीया था, लेकिन डकिते के छुट्टी पर जाने के कारण पंवार ने यही चार्ज झाबुआ विकास खण्ड के एसडीओ अखंड को दे दिया, जो राणापुर ब्लाक में भ्रष्टाचार की गंगा बहा चुके हैं। इससे पहले की अखंड पेटलावद का प्रभार संभालते पंवार की रवानगी के बाद एक बार फिर पेटलावद एसडीओ के लिए नाम मे परिवर्तन करते हुए रामा के सहायक यंत्री डकिते को पेटलावद का प्रभार दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार डकिते ने सोमवार को ऑफिस पहुंचकर प्रभार भी ले लिया है।

### फर्जी कामो की जांचकर रोक लगाने की होगी चुनोती, आर्थिक दबाव के आगे होंगे नतमस्तक

बात करे पेटलावद विकास खण्ड की तो यहां विभाग के माध्यम से स्वीकृत कई फर्जी कार्य चल रहे हैं, जिनका खुलासा गूंज द्वारा विधवत किया जा चुका है। लेकिन पूर्व एसडीओ और कार्यपालन यंत्री के मामले संज्ञान में आने के बाद भी इस और कोई कार्रवाई नही गई और फर्जी कार्यो पर फर्जी मस्टर का भुगतान जारी रहा है। अलस्याखेड़ी, बेड़दा, सलूनिया, रताम्बा सहित कई पंचायतो में जीएसबी रोड और तालाब निर्माण में अनियमित्ता सामने आई है। अब नए एसडीओ डकिते साहब के सामने इन कामो की जांचकर कार्य को आगे बढ़ाए जाने की अनुमति देने की चुनोती होगी। यदि ऐसा नही होता है और कार्य बिना जांच पड़ताल के जारी रहे तो तय है कि, कार्य विभाग में जारी सिस्टम से चलता रहा तो कहीं न कहीं मामला आर्थिक पैकेज के तय होना माना जाएगा।

### गूंज की खबर के बाद पंवार का बिगड़ा खेल, अभी भी हाथ-पैर मारना जारी

अपनी नोकरी का जीवन काल समाप्त कर चुके पूर्व जिला कार्यपालन यंत्री सुरेश पंवार द्वारा जिले में ही दो वर्ष के एक्टेंशन (संविदा नियुक्ति) का मामला माही की गूंज में उजागर होते ही, पंवार की एक्टेंशन लेने के लिए जमाई पाली बिखर गई। मामले के उजागर होने के बाद कुछ समय के लिए मामले को शांत किया जाना बताया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अपने काले को धोला करने के लिए पंवार अब भी एक्टेंशन की जुगाड़ में है। बताया जा रहा है, अगर मामला बहार नही आता तो जमी हुई सेटिंग के माध्यम से पंवार हाथो-हाथ एक्टेंशन लेने में कामयाब हो जाते।

संपादकीय

# संक्रमण का शिकंजा

यह बेहद चिंता और अफसोस की बात है, तमाम सावधानियों और दिशा-निर्देशों के बावजूद भारत ने कोरोना संक्रमण के मामले में अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोरोना की दूसरी लहर में रविवार रात तक 24 घंटों के दौरान मिले संक्रमण के मामले 1 लाख 3 हजार 764 तक पहुंच गए। प्रतिदिन के कुल मामलों में करीब दस-दस हजार की वृद्धि हो रही है, इससे संक्रमण के बढ़ते खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, 9 फरवरी को दैनिक मामले 11 हजार तक गिर गए थे। ऐसा लगने लगा था कि कोरोना का बुरा दौर बीत गया। सबसे बुरा दौर 10 सितंबर के आसपास दर्ज हुआ था, जब रोजाना के मामले करीब 98 हजार तक पहुंचने लगे थे। महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब देश में एक दिन के अंदर कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले आए हैं। दुनिया में इसके पहले केवल अमेरिका ही एक ऐसा देश है, जहां एक दिन में एक लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। अब अमेरिका में जहां प्रतिदिन 70 हजार के करीब मामले आ रहे हैं, वहीं भारत एक लाख के पार पहुंच गया है। अगर यही रफ्तार रही, तो अप्रैल घातक सिद्ध होगा। भारत चूंकि अमेरिका की तुलना में चार गुना से ज्यादा आबादी वाला देश है, इसलिए आंकड़े कहां जाकर दम लेंगे, सोचना भी भयावह है। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए एक उच्च स्तरीय बैठक की है। कोरोना पर नियंत्रण पाने के लिए लोगों में जागरूकता और लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। अब केंद्र सरकार अगर बढ़ते मामलों और मौतों को देखते हुए महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्रीय टीमें भेज रही है, तो यह जरूरी कदम है। कोरोना के खिलाफ अपनाए जाने वाले उपायों को और मजबूत करने व इन्हें बेहतर तरीके से लागू करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों में कोरोना दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, जिसका खामियाजा ये प्रदेश भुगत रहे हैं। इन तीनों राज्यों और खासकर महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी स्थिति है। कई राज्यों ने अपने यहां प्रवेश करने वालों के लिए कोरोना जांच को अनिवार्य बनाया है, पर व्यावहारिक रूप से देख लेना चाहिए कि, क्या वाकई आदेशों की पालना हो रही है? क्या हमने हवाई अड्डों पर कोरोना जांच की व्यवस्था को सोलह आना दुरुस्त कर लिया है? जहां एक ओर, सरकार को नए सिरे से जागना होगा, तो वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों को कोरोना की उछाल के वैज्ञानिक कारणों की पड़ताल भी करनी पड़ेगी। लोगों के बीच कई तरह की भ्रांतियां फैलने लगी हैं। लोगों को इस खतरे के प्रति पूरी तरह सूचित व सचेत करना होगा।

सरकार के कोविड-19 टास्क फोर्स के शीर्ष सदस्य डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने बताया है कि, म्यूटेंड स्ट्रेन्स मामलों में आने वाले उछाल का एक बड़ा कारण है। उन्होंने कुछ सुझाव भी साझा किए हैं, जिनमें कंटेनमेंट जोन बनाना, लॉकडाउन, जांच, खोज और क्वारंटीन करना शामिल है। आशंका है, सरकार को लॉकडाउन जैसी कड़ाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा। क्या एक और लॉकडाउन झेलने की स्थिति में यह देश है? इसलिए सही राह यही है कि, बचाव के प्रति लोग सजग हों और प्रशासन अपने स्तर पर उनको दंडित भी करे, जो अभी जागे नहीं हैं।

# लेखक का पैसा

प्रफुल्लसिंह

साहित्य के सब नहीं तो बहुतेरे आयोजन आज भी स्नेह-भाव से ही होते हैं। उसमें आयोजक कोई लाभ नहीं कमाता। उलटे खीसे की गांठ ढीली करके बंदोबस्त-तमाम करता है। मंच, माइक और माला का पैसा जेब से देता है। हिन्दी का लेखक भी कोई वैसा नक्षत्र नहीं, जिसे सुनने के लिए कोई टिकट ख़रीदकर सभागार में आता हो, जिस पर फिर यवनिका-पतन के बाद लेखक अपना दावा पेश करे और मुनाफ़े में हिस्सेदारी की मांग करे। बहुधा तो ये आयोजन साहित्यानुरागियों के द्वारा उत्साह और प्रेमवश करवाए जाते हैं, कुछ अपने पुरखों की स्मृति में यह परिपाटी चलाए रखते हैं, कुछ वैसे उद्यमी-आयोजनधर्मी होते हैं जिन्हें इसी दौड़धूप में सुख मिलता है, पर यह तो निश्चित है कि साहित्य-समारोहों के अनेक आयाम हैं और हरेक आयोजन किसी वैसे बड़े लिट-फ़ेस्ट के मानदण्ड पर नहीं कसा जा सकता, जहाँ बड़ी दौलत चमचमाती हो।

देश में ऐसे जाने कितने आयोजक हैं, जो किसी शासकीय या निजी संस्था से सम्बद्ध नहीं, जिनके पास बड़े संसाधन नहीं, वो जेब से पैसा लगाकर साहित्य-कार्यक्रम करवाते हैं। लेखक के रेलगाड़ी-टिकट, रहने-खाने का प्रबंध तो करते ही हैं, बहुधा उन्हें दिए जाने वाले स्मृतिचिह्न आदि पर भी व्यय करते हैं। पुरस्कार-समारोह हो तो लेखक को धनराशि भी दी जाती है। किंतु सम्भव है वो सदैव ही लेखक को कोई भुगतान नहीं कर पाते हों। इसके पीछे लेखक का शोषण करने या उसका उपयोग करने की भावना उनकी शायद ही रहती हो। फिर वैसा भी नहीं है कि लेखक वैसे किसी कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजक पर उपकार करता हो। कदाचित् अपनी दैनन्दिन व्यस्तता से कुछ समय निकालना उसके लिए असुविधाजनक हो, लेकिन साहित्य के आयोजनों में लेखक को जितना मान मिलता है, अपनी बात कहने के लिए मंच मिलता है, नए पाठक, प्रशंसक, प्रियजन मिलते हैं, क्या इन सबका भी कोई मोल लगाया जा सकता है, जिसके ऐवज़ में उलटे लेखक को इस संचित-पूँजी के लिए आयोजक को कुछ चुकाना हो? साहित्य का प्रयोजन तो परस्पर-संवाद ही होता है। किसी गल्प-गोष्ठी के माध्यम से लेखक-पाठक के बीच एक कड़ी बनकर आयोजक इसका निमित्त बन जावे तो उसी में उसकी पूर्णता है। यह ज़रूरी नहीं कि उसमें हमेशा ही पैसे-कौड़ी की बात बीच में आवे।

महात्मा गाँधी तो लेखन में स्वत्वाधिकार के भी विरोधी थे। यही कारण है कि, नवजीवन प्रकाशन मंदिर की पुस्तकें नो राइट्स रिज़र्व्ड के साथ छपती रही हैं और गांधी शांति प्रतिष्ठान की पुस्तकों पर यह लिखा होता है कि, इस पुस्तक की सामग्री का किसी भी प्रकार उपयोग किया जा सकता है, स्रोत भर का उल्लेख कर देंगे तो अच्छा लगेगा। इसके पीछे वही ट्रस्टीशिप वाला सिद्धांत है कि, हम सार्वजनिक-महत्व की किसी वस्तु के स्वामी नहीं न्यासी होते हैं। अब महात्माजी के जैसा आचरण आज के लेखकवृन्द बनावेंगे, उनसे यह अपेक्षा करना तो बहुत अधिक हो जावेगा, किंतु दृष्टान्त के रूप में वह मिसाल प्रस्तुत की है।

इन पंक्तियों के अकिंचन लेखक को भी छठे-छमासे किसी साहित्य-समारोह का न्योता मिल ही जाता है। अपनी मनोगत-रूढ़ियों और संकोची-स्वभाव के कारण वह हाँ, नहीं कह पाता। बहुधा आयोजकगण इस पर यह समझ बैठते हैं कि लेखक आर्थिक कारणों से इनकार कर रहा है। उनके द्वारा संसाधनों के अभाव की दुविधा प्रकट करने पर इन पंक्तियों का लेखक शर्म से गड़ जाता है और तुरंत सफ़ाई देता हुआ उन्हें आश्वस्त करता है कि, पैसों की तो बात ही नहीं है, स्वभाव से ही किन्हीं सार्वजनिक समारोहों में जाता नहीं। उनके निमंत्रण-पत्रों, ब्रोशर, मोनोग्राफ़वगैरा का निरीक्षण करने पर पाया जाता है कि, वे बड़े सीमित संसाधनों के साथ ये कार्यक्रम करवाते हैं, जिसके मूल में स्नेह-भावना ही होती है। इससे लाभ कमाने का प्रश्न नहीं होता। सभी आयोजक संसाधनहीन होते हों, तब वैसा भी नहीं है। किंतु जो होते हैं, उनसे पैसों की माँग करना तो अरुचिकर है।

पिछले दिन देखा कि, अनेक चर्चित लेखकों ने एक अभियान के तहत यह बात कही कि वो बिना पैसा लिए किसी कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होंगे। इतने लेखकों ने यह बात कही है तो ठीक ही कही होगी। कुछ सोचकर ही बोला होगा, अनुभव से बात रखी होगी। फिर भी सुनकर ऐसा लगा कि, लेखक का जो क़द होता है या होना चाहिए, उसकी तुलना में यह बात बौनी रह गई। उसका डौल नहीं जमा। वज़न नहीं आया। कि बात में नमक की मिकदार कम पड़ गई। वैसे निश्चय सार्वजनिक घोषणाओं और संकल्पों का विषय नहीं होते, देशकाल-परिस्थिति के अधीन रहते हैं। वैसे निर्णय समूहगत भी नहीं होते, वैयक्तिक ही हो सकते हैं, क्योंकि हर लेखक का मिज़ाज, दुनिया-जहान से उसके नाते-रिश्ते, उसकी मूल्य-प्रणाली फ़र्क़ होती है। कभी किसी लेखक को लगे कि किन्हीं उत्साहीजनों ने किसी गांव-खेड़े-क़स्बे से न्योता भेजा है और वो वहाँ पर सहज ही जा सकता है तो उसको वैसा करने से स्वयं को रोकना नहीं चाहिए। ÷कितना रुपिया दोगे?÷ कहकर अपनी तासीर नहीं घटानी चाहिए। सरस्वती का उपासक यों निर्द्वंद्व होकर लक्ष्मी का चाकर बन जाए तो भला नहीं लगता। ईश्वर ने जो प्रतिभा दी है, उसके प्रति अगर भरसक निर्वैयक्तिक-भाव रख सके तो शुभकर।

मन में दुविधा हो तो यही याद रख लें कि, भारत के सबसे बड़े गायक रफ़ी साहब बिना पैसा लिए किन्हीं लक्ष्मी-प्यारे की पहली पिक्चर के लिए गा आते थे और विश्वकप जीतने के बाद भी डिएगो माराडोना नेपल्स के गली-कूचों में किन्हीं नियति-वंचितों के लिए चैरिटी फुटबॉल खेल आता था और एक कौड़ी नहीं माँगता था। हिन्दी के नवान्कुर तो इन महानायकों की तुलना में खद्योत-सम भी नहीं।

# जीवन का सबसे बड़ा सुख है स्वास्थ्य

डॉ. वदंना सेन

जिसके पास स्वस्थ शरीर है, उस पर मानसिक तनाव भी अपना प्रभाव छोड़ पाने में असमर्थ ही होता है। एक कहावत है पहला सुख निरोगी काया। यानी जीवन का प्रथम और सबसे बड़ा सुख अगर कोई है तो वह केवल और केवल स्वस्थ जीवन है। स्वस्थ जीवन का तात्पर्य केवल इतना भर नहीं है कि, अच्छा आहार लिया जाए, बल्कि इसमें अन्य बातें भी समाहित हैं। जैसे व्यक्ति का आचार विचार कैसा है, व्यक्ति का आसपास का वातावरण कैसा है। जो व्यक्ति देखने में अच्छा हो, जरूरी नहीं कि वह पूर्ण स्वस्थ ही हो। वर्तमान में कुछ बीमारी ऐसी भी हैं, जो ऊपर से नहीं दिखती, लेकिन मनुष्य के शरीर को अंदर ही अंदर प्रभावित करती हैं। ध्यान रहे कि व्यक्ति की सारी बीमारियों की जड़ केवल लापरवाही ही है। निराशा के चलते व्यक्ति लापरवाह हो जाता है और लापरवाही निराशा को जन्म देती है। यानी दोनों एक दूसरे के उत्पादक भी माने जाएं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसलिए व्यक्ति को आशावान होना चाहिए, आशावान व्यक्ति मानसिक रूप से एक नई ऊर्जा से अपने आपको प्रेरित करता है। आशा स्वस्थ जीवन को संबल प्रदान करती है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाता है कि, विश्व का मानव समुदाय स्वस्थ कैसे रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना दिवस पर मनाए जाने वाले इस दिन पर विश्व के अनेक देशों में स्वास्थ्य पर आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाता है। वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। जिसके कारण कोरोना के फैलाव में कुछ सीमा तक रोक भी लगी है। अगर यह दिशानिर्देश जारी नहीं किए जाते तो विश्व की हालत क्या होती, इस बारे सोचने मात्र से कंपकंपी छूट जाती है। कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से प्राप्त निर्देशों के आधार पर कई देश अनेक प्रकार के अभियान भी चला रहे हैं, जिसमें अपेक्षित सफलता भी मिली है। भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कोरोना रोकने वाला टीका बनाकर भारत के वैज्ञानिकों ने विश्व में अपना नाम रौशन किया है। भारत का स्वभाव सदैव ही सर्वे संतु निरामयाः वाला रहा है। इस बार भी भारत ने विश्व के अनेक देशों में वैक्सीन पहुंचाकर विश्व को निरोग रखने का अपना संस्कार कायम रखा है।

वर्तमान में एक और बड़ी स्वास्थ्य समस्या मानसिक तनाव की भी है। तनाव के कारण भी कई व्यक्ति अनेक



बीमारियों को आमंत्रण दे रहे हैं। जिसके चलते मधुमेह, रक्तचाप आम बीमारी सी होती जा रही हैं। आज विश्व के लगभग सभी देशों में 3 से 12 प्रतिशत व्यक्ति इस बीमारी की चपेट में हैं। इस बीमारी के बारे में यही कहा जाता है कि, यह अनुवांशिक होती है, लेकिन आजकल मधुमेह की बीमारी का कारण खानपान में लापरवाही और शारीरिक निष्क्रियता भी है। व्यक्ति को कितना खाना और कितना श्रम करना इसका एक निर्धारित परिमाण है, लेकिन आज के व्यक्ति यह परिमाण या तो भूल गए हैं या फिर लापरवाह हो गए हैं। जिसके कारण शारीरिक असमानता भी एक विकार बनकर उभर रही है। जो बीमारी का बड़ा कारण है।

शारीरिक स्वास्थ्य जीवन की ऐसी बहुमूल्य संपत्ति है, जिसे धन से न कोई खरीद सका है और न ही खरीदा जा सकता है। विश्व के कई धनाढ्य व्यक्तियों को भी बीमार होते देखा है। भारतीय चिंतन के अनुसार स्वस्थ जीवन जीने के कुछ आवश्यक दिनचर्या बनाई गई है, उसके अनुसार जीवन जीने वाला व्यक्ति अपने शरीर को लेकर बहुत ही जागृत रहता है। इस दिनचर्या के अनुसार अगर दिन के 24 घंटों को विभाजित किया जाए तो यही कहना समुचित होगा कि, आठ घंटे अपने लिए, आठ घंटे समाज के लिए और आठ घंटे परिवार के लिए होने चाहिए, लेकिन आज का व्यक्ति पूरे समय परिवार के स्वार्थ पूर्ति का साधन मात्र ही बनता जा रहा है। उसे न अपने शरीर की चिंता है और न ही उसके पास समाज के लिए समय है। पैसे कमाने के लिए स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जबकि सच्चाई यह है कि, स्वास्थ्य संसार की वो दौलत है, जिसके सामने धन संपत्ति का कोई मूल्य नहीं। इसी प्रकार आजकल दिनचर्या नाम की कोई चीज बहुत दूर होती जा रही है। कई लोग सुबह का उगता हुआ सूरज नहीं देख पाते। इसका एक मात्र कारण रात्रि में देर तक जागना ही है। जिसके कारण भोजन पचाने की शारीरिक क्षमता कम होती जाती है।

शरीर के स्वास्थ्य के लिए कैसा आहार लेना चाहिए, इसकी जानकारी का अभाव बढ़ता जा रहा है। आहार की शुद्धता बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति कहती है कि, जैसा खाओगे अन्न, वैसा बनेगा मन। इस कहावत के अनुसार अपने शरीर को देने वाले आहार का चिंतन किया जाए तो सारी असलियत समझ में आ जाएगी। आजकल बाजारों में चाट बाजारों में लगने वाली भीड़ यही प्रमाणित करती है कि हमारा खानपान दूषित हो चुका है। मैदा से निर्मित पदार्थों को पचाने के पाचन तंत्र को कठिनाई होती है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो मैदा निर्मित खाद्य पदार्थ पच ही नहीं पाते। जिससे हम मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। यही मोटापा आगे चलकर कई शारीरिक समस्याओं के पैदा करने का कारण बनता है।

भारत के ऋषि मुनियों द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग की प्रक्रिया दी है। योग एक ऐसी विधा के रूप स्वीकार की जाने लगी है, जिससे शारीरिक विकार दूर किए जा सकते हैं। यही कारण है कि, दिनोंदिन योग की महत्ता बढ़ती जा रही है। योग करने से जहां एक ओर मानसिक शांति मिलती है, वहीं शारीरिक शक्ति का भी प्रकटीकरण होता है। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हम योग की कीमत तब ही समझ पाते हैं, जब हम बीमार होते हैं। अगर इस सत्य का पालन पहले से ही करने की ओर प्रवृत्त हो जाएं तो हो सकता है कि ऐसी नौबत ही न आए। इसके लिए हमें योग की शक्ति की पहचान करना आवश्यक है। हमें बीमारियों से दूर रहना है तो हमको हमेशा उल्लास और प्रसन्नता के साथ जीवन जीना चाहिए।

# दया व करूणा मानवता की निशानी है


डॉ. शरद नारायण खरे

'रखकर मन संवेदना, करना तू व्यवहार।
जिससे यह जीवन बने, इक पावन व्यवहार।।'

दया एक पुण्य है जो शायद ही इन दिनों कभी देखी जाती है। लोग इन दिनों अपने आप में इतने व्यस्त हैं कि, वे अपनी जरूरतों और इच्छाओं को पूरी करते हैं और दूसरों की प्रायः अनदेखी करते हैं। दूसरों के प्रति दयालु होना बड़ा मुश्किल सवाल बन गया है। दया दूसरों की ओर विनम्र और विचारशील होने का गुण है। यह एक ऐसा गुण है जो हर किसी के पास नहीं है। इस दुनिया में बहुत कम लोगों को ऐसे गुण से नवाज़ा गया है और उनकी उपस्थिति उनके चारों ओर के लोगों के लिए एक वरदान है।

एक सुखद स्वभाव वाले और दूसरों के लिए चिंता करने वाले व्यक्ति को दयालु होना कहा जाता है। ऐसे लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं। जब भी लोगों को उनकी ज़रूरत होती है वे अपने आस-पास के लोगों की मदद करते हैं और कभी भी दूसरे लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए अपनी सीमा से बाहर जाने से संकोच नहीं करते हैं।

दूसरों के प्रति दया दिखाने का मतलब जरूरी नहीं है कि, उनके लिए कुछ बड़ा करना। यह विनम्र होने और या किसी को भावनात्मक समर्थन देने के रूप में छोटे से योगदान के रूप में कुछ भी हो सकता है। यह कुछ भी हो सकता है जैसे उस बूढ़ी औरत को मुस्कुराहट देना जो अपनी बालकनी में अकेले बैठकर लोगों को आता-जाता देखती है या किसी चिड़िया को रोटी का छोटा सा टुकड़ा देना जो आपकी छत पर हर दिन आकर चहचहाट करती है। दयालुता के इस तरह के कृत्यों में ज्यादा मेहनत नहीं लगती हैं लेकिन दूसरे व्यक्ति के जीवन में इससे एक बड़ा अंतर उत्पन्न हो सकता है।

आपको आस-पास के लोगों को सहायता प्रदान करने और उनसे अच्छा व्यवहार करने के लिए करोड़पति होने की ज़रूरत नहीं है। इन सबके लिए आपके पास सिर्फअच्छे दिल की ज़रूरत है। हम में से हर एक के पास दुनिया को देने के लिए कुछ है। हमें यह समझना होगा कि यह क्या है। इसके अलावा हमें अपने आस-पास के लोगों के प्रति दयालु होना चाहिए। हमें यह समझने की ज़रूरत है कि अगर लोग एक दूसरे के प्रति दयालु हो तो दुनिया एक बेहतर जगह बन जाएगी।

दूसरे लोगों के प्रति दयालु होकर हम न केवल उनकी मदद करते हैं बल्कि उनके चेहरे पर मुस्कुराहट भी लाते हैं जिससे वे अपने दिल से अच्छा महसूस करते हैं। यह संतोष की भावना देता है।हम दयालु लोग बड़ी मुश्किल से मिलते हैं। वास्तव में अगर हम खुद को देखें तो क्या हम खुद को दयालु कहेंगे? हम अपने आस-पास के लोगों का दर्द महसूस करते हैं लेकिन कितनी बार हम उनकी मदद कर पाते हैं? अगर हम यह अपेक्षा करते हैं कि दूसरे लोग हमारे प्रति दयालु हो तो हमें पहले इस आदत को अपने आप में डालना होगा।

वास्तव में, किसी ने ठीक ही कहा है, ÷यदि आप कम से कम एक बार दया दिखाते हैं तो कभी भी आपका दिन बुरा नहीं जाएगा÷। दूसरों के प्रति दयालु और करुणामय होने से बहुत खुशी होती है। लेने की बजाए दूसरों को देने की खुशी बहुत अधिक है। दया हमें भगवान के करीब ले जाती है और आंतरिक शांति प्रदान करती है।हालांकि हमें बिना बदले में कुछ उम्मीद किए बिना दयालुता के कृत्यों में लिप्त होना चाहिए लेकिन ऐसा कहा जाता है कि दयालुता के किसी भी कार्य, यहां तक कि छोटा सा भी, की और किसी का ध्यान नहीं जाता है। इसका कारण यह है कि भगवान हमें हर समय देखते हैं और वे अपने तरीके से निष्पक्ष होने के लिए जाने जाते हैं।

सामान्य रूप से दयालु और दूसरों के साथ विनम्र रहकर हमारा मूड अच्छा रहता है बजाए उन दिनों के जब हम दूसरों से उलझ जाते थे, दूसरों को अपनी नज़र से देखते थे या ऊँची आवाज़ में बात करते थे। इसी तरह किसी को भी एक छोटी सी मदद करने से हमें अपने बारे में अच्छा लगता है। दूसरों की मदद करने और उनके प्रति दया दिखाने से हमें एक संतुष्टि की भावना मिलती है और जो भी हम देते हैं वह जल्द ही हमारे पास बहुतायत में आ जाता है। इसे कर्म के कानून के रूप में भी जाना जाता है।हालांकि अगर हम दूसरों के प्रति यह सोचकर दया दिखाने की उम्मीद करते हैं कि हमें बदले में कुछ मिलेगा तो उसे दयालुता का कार्य नहीं माना जाएगा। यह बल्कि स्वार्थ से भरा कार्य है। न सिर्फमनुष्यों के प्रति बल्कि हमें जानवरों पर भी दया दिखानी चाहिए। कई लोग सड़क के कुत्तों और गायों पर पत्थर फेंकते हैं ताकि वे उन्हें डरा सकें। अगर आत्मरक्षा के रूप में किया गया है तो ठीक है लेकिन कई लोग सिर्फ मज़े के लिए ऐसा करते हैं। हमें उनके प्रति दयालु होना चाहिए। जानवरों का उचित तरीके से इलाज करना और उन्हें खाना खिलाना उनके प्रति दया दिखाने के ही तरीके हैं। हम बहुत सारा भोजन व्यर्थ कर देते हैं। हम कचरे के डिब्बे में हमारा बचा हुआ भोजन फेंक देते हैं। इसे फेंकने की बजाए हमें इसे हमारे घर के आसपास चारों ओर घूमते बिल्लियों, कुत्तों और गायों को खिलाना चाहिए। हम उन्हें अपनाने के द्वारा उनके प्रति दया दिखा सकते हैं। इसी तरह हमारी बालकनी या बगीचे में बैठे पक्षियों को हम अनाज के दाने डाल सकते हैं,पीने को पानी रख सकते हैं। दया के ये छोटे और सामान्य कृत्य न केवल इन पक्षियों और जानवरों के लिए अच्छे होंगे बल्कि आप अपने बारे में भी बेहतर महसूस करेंगे।

जो लोग धर्मार्थ कार्य करते हैं और विभिन्न लोगों की उनके बड़े और छोटे कार्यों में मदद करते हैं वे उन लोगों से ज्यादा खुश रहते हैं जो केवल खुद के लिए काम करते हैं।इसीलिए यही कहना उचित होगा।

'करुणा से जगमग रहे, मानवता-उद्यान।
जहाँ दया-औदार्य है, वहाँ सदा उत्थान।।'

# नक्सलियों से कैसे निपटें?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

छत्तीसगढ़ के टेकलगुड़ा के जंगलों में 22 जवान मारे गए और दर्जनों घायल हुए। माना जा रहा है कि इस मुठभेड़ में लगभग 20 नक्सली भी मारे गए। यह नक्सलवादी आंदोलन बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से 1967 में शुरु हुआ था। इसके आदि प्रवर्तक चारु मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी जैसे नौजवान थे। ये कम्युनिस्ट थे लेकिन माओवाद को इन्होंने अपना धर्म बना लिया था। मार्क्स के 'कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो' के आखिरी पेराग्राफइनका वेदवाक्य बन गया है।ये सशस्त्र क्रांति के द्वारा सत्ता-पलट में विश्वास करते हैं। इसीलिए पहले बंगाल, फिर आंध्र व ओडिशा और फिर झारखंड और मप्र के जंगलों में छिपकर ये हमले बोलते रहे हैं और कुछ जिलों में ये अपनी समानांतर सरकार चलाते हैं। इस समय छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में और देश के लगभग 50 अन्य जिलों में इनका दबदबा है। ये वहां छापामारों को हथियार और प्रशिक्षण देते हैं और लोगों से पैसा भी उगाहते रहते हैं।

ये नक्सलवादी छापामार सरकारी भवनों, बसों और नागरिकों पर सीधे हमले भी बोलते रहते हैं। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को भड़का कर ये उनकी सहानुभूति अर्जित कर लेते हैं और उन्हें सब्जबाग दिखा कर अपने गिरोहों में शामिल कर लेते हैं। ये गिरोह इन जंगलों में कोई भी निर्माण-कार्य नहीं चलने देते हैं और आतंकवादियों की तरह हमले बोलते रहते हैं। पहले तो बंगाली, तेलुगु और ओड़िया नक्सली बस्तर में डेरा जमाकर खून की होलियां खेलते थे लेकिन अब स्थानीय आदिवासी जैसे हिडमा और सुजाता जैसे लोगों ने उनकी कमान संभाल ली है।केंद्रीय पुलिस बल आदि की दिक्कत यह है कि एक तो उनको पर्याप्त जासूसी सूचनाएं नहीं मिलतीं और वे बीहड़ जंगलों में भटक जाते हैं। उनमें से एक जंगल का नाम ही हैकृअबूझमाड़। इसी भटकाव के कारण इस बार सैकड़ों पुलिसवालों को घेर कर नक्सलियों ने उन पर जानलेवा हमला बोल दिया। 2013 में इन्हीं नक्सलियों ने कई कांग्रेसी नेताओं समेत 32 लोगों को मार डाला था। ऐसा नहीं है कि केंद्र और राज्य सरकारों ने अपनी आंख मींच रखी है। 2009 में 2258 नक्सली हिंसा की वारदात हुई थी लेकिन 2020 में 665 ही हुई। 2009 में 1005 लोग मारे गए थे जबकि 2020 में 183 लोग मारे गए।

आंध्र, बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना के जंगलों से नक्सलियों के सफाए का एक बड़ा कारण यह भी रहा है कि वहां की सरकारों ने उनके जंगलों में सड़कें, पुल, नहरें, तालाब, स्कूल और अस्पताल आदि बनवा दिए हैं।बस्तर में इनकी काफी कमी है। पुलिस और सरकारी कर्मचारी बस्तर के अंदरुनी इलाकों में पहुंच ही नहीं पाते। केंद्र सरकार चाहे तो युद्ध-स्तर पर छत्तीसगढ़-सरकार से सहयोग करके नक्सल-समस्या को महिने-भर में जड़ से उखाड़ सकती है। यह भी जरुरी है कि अनेक समाजसेवी संस्थाओं को सरकार आदिवासी क्षेत्रों में सेवा-कार्य के लिए प्रेरित करे।

## चाणक्य नीति



लोभ से बड़ा दुर्गुण क्या हो सकता है। पर निंदा से बड़ा पाप क्या है। जो सत्य में प्रस्थापित है उसे तप करने की क्या जरूरत है। जिसका ह्रदय शुद्ध है उसे तीर्थ यात्रा की क्या जरूरत है। यदि स्वभाव अच्छा है तो और किस गुण की जरूरत है। यदि कीर्ति है तो अलंकार की क्या जरुरत है। यदि व्यवहार ज्ञान है तो दौलत की क्या जरुरत है और यदि अपमान हुआ है तो मृत्यु से भयंकर नहीं है क्या।

## एक सलाह

**मुर्ख लोगों से कभी बहस नहीं करनी चाहिए, वो पहले आपको अपने स्तर पर ले आएंगे और फिर अपने अनुभव से आपको हरा देंगे।**

## काम की बात

**गिरते हुए पत्ते सबसे बड़ा उदाहरण है कि बोझ बन जाओगे तो अपने भी गिरा देंगे।**

# नारकोटिक्स विंग की कस्टडी में हुई मौत, फिर उठी पीएम करने की मांग

## सोहेल को छोड़ने के लिए ढाबे पर हो रही थी सौदेबाजी, पुलिस ने डिलीट करवाई सीसीटीवी रिकार्डिंग

**माही की गूंज, मंदसौर। साहील आगवान**

जिले के नारकोटिक्स विंग थाने में स्मैक तस्करी के आरोपित सोहेल की संदिग्ध मौत से सवाल खड़े हो रहे हैं। मादक पदार्थ पकड़ने व छोड़ने के चक्कर में प्रतिदिन हो रहे खुलासे भी विंग की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर रहे हैं। शार्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्टफेल बताने पर परिजनों ने राजस्थान में फिर से पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। मानव अधिकार आयोग ने भी मामले में संज्ञान लेकर एडीजी नारकोटिक्स व मंदसौर एसपी से प्रतिवेदन मांगा है। वहीं एक चर्चा यह भी चल रही है कि, विंग के अधिकारियों ने बायपास पर एक ढाबे से शुक्रवार की दिनभर की सीसीटीवी रिकार्डिंग डिलीट करा दी है। इसके अलावा विंग के ही एक अन्य एसआई सादी वर्दी में सीतामऊ में डोडाचूरा के बोरे लेकर घूम रहे थे तब सीतामऊ पुलिस से भी इनकी भिड़ंत हुई थी। अधिकारियों ने बीच-बचाव कर इन्हें छुड़ाया था।

बायपास पर मुल्तानपुरा चौराहे पर स्थित नारकोटिक्स विंग के थाने में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात में 21 वर्षीय सोहेल पिता हमीद खां पठान निवासी असावता जिला प्रतापगढ़ (राज.) की संदिग्ध मौत हो गई थी। सोहेल को 90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया था। इस मामले में परिजनों ने पुलिस पर केस रफा-दफा करने के नाम पर 50 लाख रुपए मांगने का भी आरोप लगाया था। तब एसआई राजमल दायमा व चार पुलिसकर्मियों के निलंबन की कार्रवाई के बाद परिजन संतुष्ट हुए थे। अब शार्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्ट फेल बताने की खबर मिलने पर परिजन फिर भड़क रहे हैं। अब मृतक के चाचा इराद पिता इनायत खां ने म.प्र. मानव अधिकार आयोग को पत्र लिखकर मंदसौर में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में छेड़छाड़ की आशंका के चलते शव का राजस्थान में या केंद्रीय स्तर पर चिकित्सकों से दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की गई है।

### सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश

इधर म.प्र. मानव अधिकार आयोग ने भी हिरासत में हुई मौत के मामले में संज्ञान लेते हुए आयोग सदस्य सरबजीत सिंह ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स एवं पुलिस अधीक्षक मंदसौर से तत्काल प्रतिवेदन मांगा है। साथ ही घटना के सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित और संरक्षित रखने हेतु भी निर्देशित किया गया है।

### ढाबे पर बैठकर कर रहे थे सौदेबाजी

पुलिस सूत्रों की माने तो शुक्रवार को सोहेल को पकड़ने के बाद विंग के पुलिसकर्मियों ने आसिफ को तो छोड़ दिया था। वहीं सोहेल के परिजनों से बातचीत बायपास पर एक ढाबे पर बैठकर हो रही थी। यह पूरा मामला शुक्रवार दोपहर से शाम तल चलता रहा था। चूंकि विंग वाले कागजों में सोहेल को विंग के थाने पर रात ढ़ाई बजे लाना बता रहे हैं। इसके चलते रविवार को विंग के पुलिस अधिकारियों ने ढाबे पर जाकर शुक्रवार के सीसीटीवी की रिकार्डिंग ही डिलीट करा दी।

## सादी वर्दी में डोडाचुरा लेकर घुम रहे नारकोटिक्स विंग के एसआई जैसवार व स्टाफ के साथ पुलिसकर्मियों की हुई आपसी मारपीट

**माही की गूंज, मंदसौर/सीतामऊ**

कुछ दिन पहले रात में विंग में ही पदस्थ एसआई जैसवार व जवान तीन-चार बोरों में डोडाचूरा लेकर सीतामऊ में घूम रहे थे। उनके पास सरकारी वाहन भी नहीं था। तभी किसी ने सीतामऊ पुलिस को सूचना की जिसके बाद थाने के एसआई सुभाष गिरी व पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट की खबर है। जब जैसवार ने खुद को विंग का एसआई बताया, फिर एसआई राजमल दायमा से सीतामऊ टीआई अमित सोनी की बात कराई जिसके बाद जैसवार व साथी को छोड़ा। फजीहत से बचने के लिए बाद में विंग ने 55 किलो डोडाचूरा जब्ती करने का केस भी दर्ज कराया है, जिसमें आरोपित अज्ञात हैं, जबकि सूत्रों की माने तो डोडाचूरा ज्यादा था।

मामले में सीतामऊ टीआई अमित सोनी ने बताया कि, हमें रात को सूचना मिली थी कि, कुछ लोग डोडाचूरा लेकर आने वाले हैं तो, लदूना चौराहे पर हमारी टीम ने तीन-चार लोगों को पकड़ा था। सादी वर्दी में थे तो पहचान नहीं पाए थे, बाद में विंग के एसआई राजमल दायमा से बात कराई थी तब तस्दीक करने के बाद हमने भी छोड़ दिया था।

वहीं मामले के विपरित नारकोटिक्स विंग के एसआई नरेंद्र जैसवार ने बताया कि, सीतामऊ थाने की पुलिस से मारपीट जैसी कोई घटना नहीं हुई थी। वह तो मास्क लगा होने से पहचान नहीं पाई थी बाद में हमारे अधिकारी से बात कराई थी तो सारी गलतफहमी दूर हो गई।

## सियाराम आश्रम का हरिद्वार कुंभ में लगेगा अन्न क्षेत्र

**माही की गूंज, बड़नगर।** पिपली वाले हनुमान मंदिर सियाराम आश्रम ड्राइवर सेंड रोड द्वारा हरिद्वार कुंभ में नीलधारा क्षेत्र मीडिया सेंटर के सामने अन्न क्षेत्र 10 से 28 अप्रैल तक महंत श्री राम बालक दास जी रामायणी व महंत अमृत दास जी महात्यागी के नेतृत्व में प्रारंभ होगा। समिति ने बड़नगर व जिले के समस्त भक्तों से अपील की है कि, कुंभ में आने के 72 घंटे पूर्व में जारी कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट का प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड अपने साथ जरूर लाएं। साथ ही समिति ने बताया कि, 12 अप्रैल सोमवती अमावस्या, 14 अप्रैल मेष संक्रांति वैशाखी एवं 27 अप्रैल चैत्र माह की पूर्णिमा को शाही स्नान होगा।

# मार्च तक चंबल का पानी लाने का दावा हुआ फेल

**माही की गूंज, मंदसौर।**

शहर में पेयजल संकट की स्थिति बनने लगी है, करीब 8 साल बाद अप्रैल में ही तेलिया तालाब सूखने लगा है। इसका असर मई में ही आस-पास के गांधीनगर, संजीत नाका क्षेत्र, अभिनंदन क्षेत्र के कुओं पर दिखने लगेगा, कुएं सूखना शुरू हो जाएंगे। हालांकि चिंता की बात नहीं है। जिला प्रशासन के मार्च में चंबल का पानी लाने के दावा फेल जरूर हुआ लेकिन जिम्मेदार इस पर काम कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार इसी सप्ताह चंबल का पानी मंदसौर आ जाएगा। शहर सहित जिलेभर में अभी से पेयजल संकट की स्थिति बनने लगी है, अंचल में कई जगह पानी की समस्या शुरू हो गई है। शहर में इससे निपटने के लिए तैयारी शुरू हो गई है। नपा के पास वर्तमान में रामघाट व कालाभाटा में मिलाकर करीब डेढ़ माह का पानी बचा है, जबकि नपा करीब दो माह से तेलिया तालाब के आसपास के 9 कुओं से आधे शहर में सप्लाई कर रही है। ऐसे में तेलिया तालाब सूखने लगा है, इसका असर आस-पास के सरकारी कुएं सहित गांधीनगर, संजीत नाका क्षेत्र एवं अभिनंदन क्षेत्र तक के कुएं पर पड़ेगा।

जिला प्रशासन ने पहले ही शहर की पेयजल संकट स्थिति को भांपते हुए 3-4 माह पहले ही चंबल योजना का काम पूरा कराना शुरू कर दिया। जिला प्रशासन ने 31 मार्च तक चंबल का पानी मंदसौर लाने का दावे किए, लेकिन वे फेल हो गए। इसके बाद अधिकारी निरंतर चंबल का काम पूरा करने में लगे हैं। अधिकारियों के अनुसार पंप हाउस की लेवल सेटिंग का काम पूरा हो गया है, कनेक्शन भी लगभग पूरे हो गए हैं।

### एक-दो दिन का काम और बाकी है

पीएचई कार्यपालन यंत्री संदीप दुबे ने बताया कि, चंबल का पानी जल्द मंदसौर लाने के लिए कलेक्टर ने जवाबदारी दी है। कुछ सामान की वजह से काम में देरी हो गई। वर्तमान में इंटकवेल पर पंप की लेवल सेटिंग का काम पूरा हो गया। एक-दो दिन का काम और बाकी है। इसी सप्ताह टेसि्ंटग कर चंबल का पानी मंदसौर लाया जाएगा।

## धर्म परिवर्तन के लिए फर्जी वेबसाइट पर उकसाने वाला पुलिस रिमांड में

**माही की गूंज, मंदसौर।**

धर्म परिवर्तन करवाने के उद्देश्य से फर्जी वेबसाइट बनाकर आपत्तिजनक भाषा में ब्लॉग लिखने वाले आरोपी को नारायणगढ़ पुलिस ने भोपाल से गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने आरोपी को तीन दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा है।

मिली जानकारी अनुसार 22 नवम्बर 2020 को नारायणगढ़ थाने पर समुदाय विशेष ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि, प्रज्ञा प्रवाह नामक वेबसाइट पर एक संगठन विशेष की धर्म में आस्था के संबंध में झूंठे लेख लिखे जाने व धर्म विशेष की ओर परिवर्तित होने के संबंध में भ्रामक पोस्ट लिखी गई। शिकायत पर नारायणगढ़ पुलिस ने विवेचना के बाद ब्लॉग का संचालन करने वाले भोपाल निवासी राजेन्द्रप्रसाद पिता आरएस द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 295 (ए), 153 (बी) (1) (सी) भादवि में मामला दर्ज किया। आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायालय ने तीन दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए।

# खेतों में पराली जलाने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

**माही की गूंज, मंदसौर।**

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट मंदसौर एनएस राजावत ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किए है। जारी आदेशानुसार जिले में रबी की कटाई के पश्चात् खेतों में नरवाई (पराली) जलाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जन संपत्ति व प्राकृतिक वनस्पति जीव जंतु आदि नष्ट हो जाते हैं, जिससे व्यापक नुकसान होता है। खेत की मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट होते हैं जिससे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व एवं मित्र कीट नष्ट हो जाते है, साथ ही जमीन बंजर होती है। जिससे खेत की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है और उत्पादन प्रभावित होता है। खेत में पड़ा, कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिसका मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। जिले में कई कृषकों द्वारा रोटावेटर से व अन्य साधनों से गेहूं के ठंडल खेत से हटाने हेतु साधन अपनाने लगे है कृषकों के पास वैकल्पिक सुविधा जो जनहित में भी उपलब्ध हो गई है। यह आदेश 30 जून 2021 तक की अवधि के लिए प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसानों के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दंड विधान अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा तथा उल्लंघन के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

## राज्य मंत्री परमार ने किया विधानसभा क्षेत्र का दौरा

**माही की गूंज, शुजालपुर।** क्षेत्र में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने शुजालपुर विधानसभा का दौरा किया। राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह ने क्षेत्र का दौरा करते हुए क्षेत्रवासियों, राहगीर व व्यापारी से मास्क लगाने व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित किया। व्यापारी गणों को दुकान पर आए हुए ग्राहकों को बिना मास्क के सामान नहीं देने की बात कहते हुए क्षेत्र में भ्रमण किया। साथ ही दो हजार मास्क का वितरण भी किया। वहीं राज्य शिक्षा मंत्री के द्वारा क्षेत्र में रोको-टोको अभियान में लगे पुलिस बल से कहा कि, हर चौराहे पर मार्क्स की चेकिंग सोशल डिस्टेंसिंग पालन को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रवासियों को समझाए, जिससे कि कोरोना जैसी भयंकर बीमारी से लड़ सके।

## नगर में 10 अप्रैल की सुबह तक रहेगा लॉकडाउन- कलेक्टर श्री जैन

**माही की गूंज, शाजापुर।**

शाजापुर लोक स्वास्थ्य एवं लोकहित में कोरोना वायरस व उससे जनित बीमारी के संभावित खतरे की रोकथाम करने के उद्देश्य से संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दिनेश जैन ने भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत शाजापुर नगरीय सीमा क्षेत्र में 7 अप्रैल 10 अप्रैल सुबह 6 बजे तक लॉकडाउन लगाने के लिए आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार शाजापुर नगरीय सीमा क्षेत्र लॉकडाउन की अवधि में नाश्ता पाईट/ भोजनालय/ रेस्टोरेंट/ प्रतिष्ठान आदि समस्त प्रकार की दुकाने बंद रहेगी। नागरिको को चिकित्सीय एवं आकस्मिक परिस्थितियों को छोडकर अपने घर से बाहर निकलना पूर्णतः प्रतिबधित रहेगा। लॉकडाउन के दौरान अति आवश्यक सेवाए जैसे मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप, अखबार वितरण, हॉस्पिटल, बिजली, पानी, साफ सफाई हेतु संस्थान एवं बैंक एवं एटीएम संबंधी कार्य पर कार्यरत अमला प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। दुध की दुकाने प्रातः 6 बजे से प्रातः 9 बजे तक दुध का वितरण कर सकेंगे। सार्वजनिक परिवहन के ऐसे साधन जो शाजापुर नगरीय सीमा से होकर गुजरते है वे प्रतिबंध से मुक्त रहेगे। लाकडाउन के दौरान महाविद्यालय एवं स्कूल में आयोजित पूर्व निर्धारित परीक्षा प्रतिबंध से मुक्त रहेगी, किन्तु उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग एवं सुरक्षा के अन्य उपायों का पालन करना होगा। नगरीय क्षेत्र शाजापुर में लगने वाले शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालय लाकडाउन अवधि में बंद रहेंगे। यह प्रतिबंध कोरोना वायरस नियंत्रण में लगे पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य व संबंधित विभागो के अधिकारी, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

# नगर परिषद, राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन में हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

## शासकीय भुमी अतिक्रमण कर लगा रखे थे ईट भटट्‌ हो रही थी खेती

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)**

नगर परिषद, राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को शासकीय भुमी पर से 9 अतिक्रमण हटाए गए। अल सुबह से यह अभियान भारी पुलिस बल के साथ शुरु हुआ। सबसे पहले नीमच-भोपाल राज्य मार्ग पर स्थित नीमथुर गेट के बाहर सर्वे नंबर 1679 नंबर भूमि लगभग 5 हजार स्क्वायर फीट जमीन जो नगर परिषद की थी जिस पर समाज विशेष का कब्जा था, जिस पर से अतिक्रमण हटाकर तत्काल तार फेसिंग की गई। इस अतिक्रमण को हटाने को लेकर मुस्लिम समाज के शहर काजी इमरान अली के नेतृत्व में विरोध जताया और कहा कि, समाज का उक्त जमीन पर लगभग 100 वर्षो से कब्जा था। जिसे बिना नोटिस दिए हटा दिया गया, जो गलत है।

गांधीसागर मार्ग पर नगर परिषद भानपुरा के ट्रेंचिंग ग्राउंड की सर्वे क्रमांक 520 से लेकर 525 तक एक हेक्टेयर 45 आरे की जमीन जिस पर आठ लोगों ने कब्जा कर रखा था। यहां तक कि, उक्त शासकीय भुमि पर ईंट भट्ठे लगा लिए और खेती भी कि जा रही थी। साथ ही रोडिया बनाकर पुराने बायपास मार्ग को लगभग बन्द सा कर दिया था। नगर पालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल ने इस भुमी को मुक्त कराने के लिए जिला कलेक्टर को पत्र लिखा और राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन से सहयोग की मांग की। संयुक्त प्रयास से करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन को आज मुक्त करा लिया गया। अतिक्रमियों ने विरोध किया तो उन्हें पुलिस ने थाने में बिठाया और समझाइश दी।

नगर पालिका की इस अतिक्रमण हटाने कि कार्रवाई का नगर वासियों ने स्वागत किया। लेकिन नगर वासियों का कहना है कि, नगर पालिका निष्पक्ष रुप से अतिक्रमण हटाए। बीच सड़क पर प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण है वह भी हटाए जाए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रुके नहीं, ट्रेंचिंग ग्राउंड पर जो ईंट भट्ठे लगे है, वह भी नगर परिषद ने अधिग्रहित कर लिए हैं।

नगर पालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल ने बताया कि, अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन को तत्काल तार फेसिंग कराकर अधिग्रहित कर लिया है। एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गरोठ आरपी वर्मा, एसडीओ पुलिस फुलसिह परस्ते, तहसीलदार राकेश कुमार यादव, थाना प्रभारी कमलेश सिंगार, गरोठ थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय, नगरपालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल व पुलिस बल इस पुरी कार्रवाई के समय उपस्थित थे।

शहर काजी इमरान अली के नेतृत्व में मुस्लिम समाज का एक प्रतिनिधिमंडल सर्किट हाउस भानपुरा पर अधिकारियों से मिला व कार्रवाई को अनुचित बताया और मांग की है कि, समाज के कब्रिस्तान की जमीनों का सीमांकन तत्काल किया जाए। बिना नोटिस दिए कि गई कार्रवाई गलत है। पिछले 15 सालों से नगर परिषद पर भाजपा काबिज रही पर वह करोड़ों रुपए की बहुमुल्य जमीनों को मुक्त नहीं करा सकी।



उक्त कार्रवाई पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गरोठ आरपी वर्मा ने कहा कि, नगर परिषद की शासकीय भुमि पर अतिक्रमण था। जिसे नियमानुसार हटाया गया व अतिक्रमण से मुक्त जमीन को नगर परिषद भानपुरा के सुपुर्द किया।

एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर ने कहा कि, नगर परिषद, राजस्व विभाग ने शासकीय भुमी से अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस बल का सहयोग चाहा जो हमने उपलब्ध कराया। शासकीय कार्य में यदी कोई बाधा पहुंचाएगा उस पर कार्रवाई होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि, नगर परिषद भानपुरा की भुमी पर वर्षो से अतिक्रमण था, मेने नोटिस दिए पर अतिक्रमण नहीं हटे तब मेने प्रशासन, राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन से सहयोग मांगा और इस कार्रवाई को अंजाम दिया। नगर के अन्य अतिक्रमण को भी जल्द से जल्द हटाया जाएगा पुरी कार्रवाई नियमानुसार निश्पक्ष की गई है।

## सकल व्यापारी संघ का "मास्क नहीं तो सामान नहीं" अभियान हुआ आरंभ,

### अभियान के पोस्टर्स का किया विमोचन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा कोविड से शहरवासियों और व्यापारियों को बचाने हेतु विषेष अभियान आरंभ किया गया है, जिसे ''मास्क नहीं तो सामान नहीं'' नाम दिया गया है, अर्थात शहर के प्रतिष्ठानों पर जो भी ग्राहक बिना मास्क पहनकर आएगा, उसे व्यापारी सामान नहीं प्रदान करेंगे। व्यापारी संघ के इस अभियान से जहां कोविड से बचाव के लिए लोगों में अवयरनेस आएगी, वहीं व्यापारियों की भी सुरक्षा हो सकेगी।

इस अभियान के तहत पोस्टर्स का विमोचन 6 अप्रेल, मंगलवार को दोपहर 11.30 बजे स्थानीय पैलेस गार्डन पर सकल व्यापारी संघ के पदाधिकारियों के साथ सामाजिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारियों ने मिलकर किया। सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने बताया कि वर्तमान में संपूर्ण जिले सहित शहर में कोरोना के केस लगातार बढ़ते जा रहे है, ऐसे में कोविड से रोकथाम एवं बचाव हेतु आम जन को जागरूक होना बहुत जरूरी है। शासन-प्रषासन के निर्देषों का सभी को पालन करते हुए मास्क पहनना अनिवार्य है। इसके साथ ही सोषल डिस्टेनसिंग का पालन और सेनेटाईजर का उपयोग भी समय-समय पर करते रहना आवष्यक है।

### पोस्टर का विमोचन किया गया

बाद सकल व्यापारी संघ के पदाधिकारियों में अध्यक्ष राठौर, सचिव मोगरा के साथ अशोक शर्मा, मनोज बाबेल, नितेष कोठारी, मनोज सोनी, भरत बाबेल, शिरीस शाह, संजय कांठी, व्यापारी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेष पटेल, सह-सचिव हरिष शाह लालाभाई, हार्दिक अरोरा, रविराजसिंह राठौर, सुनिल चौहान, कुंता सोनी, भूमिका माहेश्वरी, जिला आजाद साहित्य परिषद् के अध्यक्ष डॉ. केके त्रिवेदी, सचिव शरत शास्त्री, संकल्प गुरुप की संयोजक श्रीमती भारती सोनी, संस्कार भारती से प्रदीप जैन, रोटरी क्लब 'मेन' से अध्यक्ष मनोज अरोरा, जिला टेंट एवं लाईट एसोसिएषन से अजयसिंह पंवार, चेतन व्यास, देवेन्द्र पुरी गोस्वामी आदि ने भारत माता और व्यापारी एकता जिंदाबाद के साथ पोस्टर्स का विमोचन किया।

## न्यूज ब्रीफ

### कसरावद के सरपंच को सिविल जेल में परिरूद्ध रखने के हुए आदेश

**माही की गूंज, बड़वानी।**

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी व विहित प्राधिकारी जुझारसिंह ने थाना प्रभारी बड़वानी एवं जेल अधीक्षक बड़वानी को निर्देशित किया कि, वे ग्राम पंचायत कसरावद के सरपंच किशोर डावर को 21 लाख 82 हजार 500 रूपए की वसूली राशि जिला पंचायत के खाते में जमा न कराने पर तत्काल अपनी अभिरक्षा में लेकर अधिक से अधिक 30 दिवस की अवधि के लिए सिविल जेल में परिरूद्ध रखे।

### कोरोना संक्रमण के कारण एसबिआई बैंक की शाखा सील

**माही की गूंज, सनावद।**

कोरोना संक्रमण के कारण भारतीय स्टेट बैंक शाखा सनावद सील की गई है। बैंक के अनेकों कर्मचारी कोरोना की चपेट में आ गए, जिस कारण बैंक के प्रबंधन ने मुख्य द्वार पर ताला लगाकर एक सूचना बोर्ड चस्पा कर दिया। जिसको देखकर ग्राहक परेशान है। बैंक के मुख्य द्वार चैनल गेट के पास एक नोटिस चस्पा है। जिस पर लिखा है कि, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सनावद ढकलगांव शाखा के कर्मचारियों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिसकी वजह से शाखा को सैनिटइजेशन किया जाना है। आगामी सूचना तक सभी सम्माननीय ग्राहकों से निवेदन है। कि बैंकिंग कार्य हेतु भारतीय स्टेट बैंक की अन्य शाखा से संपर्क करें।

### 41 वां भाजपा स्थापना दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

**माही की गूंज, झाबुआ।** बन मंडल के ग्राम पंचायत ढोल्याबाड़ व छापरखेड़ा में 41 वां भाजपा स्थापना दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, किसान मोर्चा जिला महामंत्री कलमसिंह भावर, बन मंडल अध्यक्ष ज्ञानसिंह मोरी, महामंत्री भारतसिंह निगवाल तथा कई भाजपा के कार्यकर्ता व कई ग्रामीणजन उपस्थित थे।

# सरकारी कार्यालय व स्कूल में कोविड-19 का पालन नहीं बात कर रहे कोविड से निजात दिलाने की

**माही की गूंज, मालत।**

बच्चे देश के भविष्य होते है और देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करके कोविड-19 से निजात दिलाने की बात शासन-प्रशासन कर रहा है, जो शायद बेमानी है। बात करें वर्तमान स्थिति में बढ़ते कोरोना संक्रमण की और उससे निजात दिलाने की तो, प्रशासन हवा-हवाई में ही अपना कार्य आम लोगों से कहीं जायज तो कहीं नाजायज तरीके से भी अपना प्रभाव बताकर कोविड-19 से निजात दिलाने की बात पर चालान काटे जा रहे हैं। वहीं सरकारी गाईडलाइन का पालन नहीं करने अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के बाद भी प्रशासन कर रहा है, परंतु धरातल पर कुछ और ही बयां कर रहा है। खासकर शासन ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल को बंद कर रखी है। लेकिन कक्षा 9 वी से 12 वी तक के बच्चों को मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही सैनिटाइजर के साथ स्कूल में बच्चों को बिठाकर शिक्षक भी स्वंय भी कोविड का पालन कर बच्चों को पढ़ाना है। परंतु सरकारी कार्यालय की तर्ज पर स्कूलों में भी किसी प्रकार का कोविड का पालन नहीं किया जा रहा है।

बात करें खवासा क्षेत्र के सेमलिया (नारेला) की हाईस्कूल की तो यहां बुधवार को 9 वी एवं 10 वीं में 91 बच्चे दर्ज है, के एवज में 25 बच्चे उपस्थित होकर अध्यन कार्य करवाया जा रहा था। जब हमारी माही की गूंज टीम स्कूल में कोविड-19 का पालन व हथ धुलाई किस तरह से की जा रही है और क्या व्यवस्था है, जानने के लिए पहुंचे तो, तपतपाती गर्मी में स्कूल में पंखे तो लगे हैं लेकिन बिजली के अभाव में बिना पंखे की हवा में गर्मी व बिना मास्क के ही बच्चे अध्ययन कर रहे थे, 25 बच्चों में से एक भी बच्चे के पास मास्क नहीं पहना था। वही शौचालय की गंदगी के साथ ही वॉश-बेसिन में बिना नल के ही व पानी के ही वॉश-बेसिन परिया पूरी तरह से गंदगी भरा था और स्कूल परिसर में लगा हैंडपंप भी बंद था, जिससे स्कूल में पानी का अभाव भी देखा गया। कहने को शासन-प्रशासन सारी व्यवस्थाओं और कोविड-19 की गाईडलाइन का पालन करने हेतु साथ हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में बच्चे को अध्ययन करवाया जा रहा की बात कर रहे हैं। लेकिन हाई स्कूल सेमलिया (नारेला) की वस्तु स्थिति देखी जाए तो, धरातल पर स्थिति कुछ और ही बयां कर रही है और पूरी तरह से कोविड-19 गाईडलाइन की धज्जियां उड़ाकर देश के भविष्य विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में डालने में बडी चुक शासन-प्रशासन कर रहा है। ऊपरी स्तर पर कोविड-19 गाईडलाइन का पालन करके कोविड से निजात दिलाने की बाद शासन-प्रशासन कर रहा है, जो चिन्तनीय है।

### बिना मास्क के वाहन चालको व राहगीरो के बन रहे चालान

**माही की गूंज, थांदला।**

कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए गठित जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए थे कि, जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम के लिए मास्क का उपयोग करने व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक कराए जाने के कार्य पर जोर दिया जाए, साथ ही क्षेत्र में कोविड-19 के नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार थांदला में बढ़ते कोरोना को लेकर स्थानीय प्रशासन सक्रिय हुआ और नगर पंचायत चौराहा, विजय स्तंभ पर बिना मास्क के वाहनों, बाइक सवारों व राहगीरों को रोककर उनके चालान बनाए गए। बिना मास्क के सौ रुपए दंड वसूली की कार्रवाई की गई। इस मुहिम में नगर पंचायत अमले के साथ एसडीओपी मनोहर गवली, एसडीएम ज्योति परस्ते, नायब तहसीलदार, राजस्व अमला, नगर पंचायत कर्मचारी व पुलिस टिम शामिल थी।

### पीपल की परिक्रमा कर लिया आशिर्वाद

**माही की गूंज, काकनवानी।**

दसमी पर्व पर महिलाओं ने पीपल के पेड़ को धागा अर्पण कर पूजा अर्चना की, पीपल के पेड़ मे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास होता है। मंगलवार के दिन महिलाए यहां दसमाता के रुप में महिलाओं ने पीपल की पूजा की। पिछले वर्ष का धागा पीपल पर चडाया व पण्डित से नया धागा जिसमे दस गठान लगी होती है उसकी पूजा करके अपने गले मे धारण किया। अपने घर मे सुख शाति और समृद्धि बनी रहें, इसलिए महिलाएं यह व्रत करती है।

## दशा माता का व्रत रखकर सुहागिन महिलाओं ने शुभ मुहूर्त में की पूजा-अर्चना

**माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय**

चेत्र कृष्ण की दशमी के दिन अधिकांश महिलाओं द्वारा दशा माता का व्रत रख पीपल के पेड़ की पूजा-अर्चना विधि विधान से की। दशा माता व्रत मुख्य रूप से सुहागन महिलाएं घर की दशा ठीक होने के लिए करती है। माना जाता है कि, जब मनुष्य की दशा ठीक होती है तब उसके सभी कार्य अनुकूल होते हैं, परंतु जब यह प्रतिकूल होते हैं तो मनुष्य को बहुत परेशानी होती है, इन्ही परेशानियों से निजात पाने के लिए इस व्रत को करने की मान्यता है। नियम अनुसार दशा माता की पूजा अर्चना करने से दशा माता की कृपा प्राप्त होती है घर में सुख, शाति, समृद्धि आती है।

ग्राम में मंगलवार को दशा माता पर्व उत्साह व हर्षोल्लास से मनाया गया। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार व परंपरागत परिधानों से सज-धजकर शुभ मुहूर्त में पीपल की पूजा-अर्चना कर माता से परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने पीपल के पेड़ का पूजन कर उस पर कच्चा सूत लपेटकर परिक्रमा की व दशा माता की कथा भी सुनी। महिलाओं ने पूजन के लिए व्रत रखा पीपल का पूजन करने से इसे पीपल दशा भी कहा जाता है।

पंडित मयूर जोशी के अनुसार, नौ ग्रह और नौ देवियों को प्रसन्न करने के लिए यह पूजन-व्रत किया जाता है। खेड़ापति हनुमान मन्दिर के सामने पूजा स्थल पर शुभ मुहूर्त में पीपल की पूजा-अर्चना की सुहागिन महिलाएं इस डोर की पूजा के बाद पूजा स्थल पर ही नल दमयंती की कथा सुनते हैं। उसके बाद महिलाएं अपने घर पर हल्दी और कुमकुम की छाप लगाती है। इस दिन महिलाएं एक ही बार अन्न ग्रहण करती है, इस दिन घर की साफसफाई के लिए झाड़ू खरीदने का विधान है।

### गोकुल ग्राम अभियान का हुआ शुभारंभ

**माही की गूंज, झाबुआ।**

पशुपालन तथा डेयरी विभाग झाबुआ द्वारा 1 अप्रेल से 30 अप्रेल तक गोकुल ग्राम अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत पर पशु चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। उप-संचालक पशुपालन विभाग डॉ. विलसन डावर द्वारा बताया गया कि शिविर में पशुओं को टीकाकरण, विधियाकरन, उपचार तथा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किया जाएगा। इसके साथ-साथ विभागीय योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा। डॉ. डावर द्वारा पशुपालकों से आव्हान किया गया है कि शिविर में ज्यादा से ज्यादा पशुपालक अपने पशुओं को लेकर पहुंचे। सभी पशुपालक शिविर में मॉस्क पहनकर ही आए। शिविर में कोविड-19 की गाईडलाइन का भी ध्यान रखा जाएगा।

## पुलिस को अवैध हथियार पकड़ने में मिली सफलता

**माही की गूंज, बड़वानी।**

पुलिस अधीक्षक बड़वानी निमिष अग्रवाल ने अवेध हथियार रखने वाले और उसका विक्रय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए टीआई राजेश यादव को कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए थे। टीआई ने लगातार काम करते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। मुखबिर द्वारा सूचना मिली की बस स्टैंड पर एक व्यक्ति खड़ा है और जो पिस्टल और 12 बोर का कट्टा रखे हुए हैं जो बेचने की फिराक में है। एएसआई यादव की टीम ने बस स्टैंड पहुंचकर मुखबिर के बताए अनुसार एक व्यक्ति को पकड़ा जो संदिग्ध लग रहा था उसको पकड़ कर जब उसकी तलाशी ली गई तो, उसके पेंट के अंदर कमर में एक पिस्टल और एक 12 बोर का कट्टा मिला साथ में दो पिस्टल के कारतूस भी प्राप्त हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राहुल पिता मनोज निगवाल (22) निवासी कसरावद बसाहट बड़वानी का होना बताया।

इसी प्रकार से बड़वानी पुलिस की अन्य टीम में एएसआई बुधिया साधो की टीम को सूचना मिली थी कि, एक व्यक्ति कसरावद पुल के पास खड़ा है और जो अवैध हथियार रखे हुए हैं सूचना पर एएसआई बुधीया साधो की टीम ने तत्काल वहां पहुंची और मुखबिर के बताए अनुसार एक व्यक्ति को पकड़ा, व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम राहुल पिता नाहलिया बामनिया (22) निवासी आमलिया पानी बड़वानी बताया। जब उसके शरीर की तलाशी ली गई तो उसके पास भी शर्ट के नीचे अंदर पेंट में एक 12 बोर का कट्टा एवं एक पिस्टल सहित दो राउंड बरामद हुए। उक्त दोनो दोनों आरोपियों से पुलिस कस्टडी में पूछताछ की जा रही है।

## आशाग्राम में बने 200 बिस्तरीय कोविड केयर सेंटर का हुआ शुभारंभ

**माही की गूंज, बड़वानी।**

कोरोना मरीजों को नाम मात्र शुल्क में अच्छी एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिले, इस हेतु आशाग्राम अस्पताल बड़वानी में 200 बिस्तरीय जिला कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। अब कोरोना मरीजों एवं उनके परिजनों को कोरोना के बेहतर ईलाज के लिए भटकना नही पड़ेगा, और ना ही उन्हे प्रायवेट चिकित्सालय में अधिक शुल्क देकर उपचार करवाने की बाध्यता रहेगी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने मंगलवार को आशाग्राम अस्पताल में जिला कोविड केयर सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर उक्त कही। इस दौरान कलेक्टर ने वहां पर कार्य कर रहे डॉक्टर्स से जानकारी भी प्राप्त की तथा डाक्टर्स को निर्देशित किया कि, आने वाले मरीज की काउंसलिंग सही तरीके से की जाए। मरीज का सुबह-शाम तापमान चेक किया जाए। अगर मरीज को किसी प्रकार का कोई लक्षण नही है और वो पाजिटिव है तो उसे होम क्वारंटाइन या जिला कोविड केयर सेंटर में तीन दिन रहने की सलाह दी जाए। जिससे उस पर सतत् निरीक्षण रखकर उचित उपचार किया जा सके।

शुभारंभ के दौरान कलेक्टर ने बताया कि, जिले में 11 फीवर क्लिनिक संचालित किए गए है। सेंधवा के मरीजो के लिए जामली में 150 बिस्तरीय, पानसेमल, निवाली एवं खेतिया के मरीजों के लिए खेतिया में 100 बिस्तरीय तथा बड़वानी एवं आसपास के मरीजों के लिए आशाग्राम अस्पताल में 200 बिस्तरीय कोविड केयर सेंटर बनाया गया है।

शुभारंभ के दौरान अपर कलेक्टर अभयसिंह ओहरिया, एसडीएम बड़वानी धनश्याम धनगर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे, सिविल सर्जन डॉ. राजेश जैन, आशाग्राम के जनसंपर्क अधिकारी सचिन दुबे उपस्थित थे।

## नवम् अणु पुण्य स्मृति दिवस पर त्रिदिवसीय धार्मिक आयोजन

**माही की गूंज, थांदला।**

जिनशासन में अनेक भव्य आत्माओं ने अपनी उत्कृष्ट साधना के माध्यम से स्व-पर का कल्याण किया है। उन्ही भव्यआत्माओं में से एक जैन-जगत के दैदीप्यमान सूर्य श्रमण संघ के आचार्य भगवंत पूज्य श्रीउमेशमुनिजी ‘अणु’ थे, जिन्होंने उच्चकोटि की आत्म साधना करते हुए जिनशासन का गौरव बढ़ाया है। उक्त उदगार जैनाचार्य पूज्य श्रीउमेशमुनिजी की 9 वी पुण्यतिथि पर आयोजित गुणानुवाद धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए विदुषी महासती पूज्या श्रीनिखिलशीलाजी मस्सा ने व्यक्त किए।

### तीन दिवसीय आयोजन

संघ प्रवक्ता ने बताया की अणु स्मृति दिवस पर अभा चन्दना श्राविका संगठन द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस सामुहिक दया का आयोजन किया गया, द्वितीय दिवस भव्य धार्मिक अंताक्षरी का आयोजन किया, जिसमें श्रीमती स्मिता गादिया, श्रीमती निक्की शाहजी, श्रीमती जिनल कांकरिया, श्रीमती स्तुति शाहजी व श्रीमती मेघा लोढ़ा की टीम विजेता रही। वही कु. लोचना पावेचा, कु. जिनाज्ञा छाजेड़, कु. भवि चौरड़िया, कु. माही श्रीश्रीमाल व कु. नैंसी शाहजी की टीम व कु. आदिती कांकरिया, कु. श्रेयल कांकरिया, कु. तनीषा कांकरिया, कु. हीरम कांकरिया, कु. नव्या शाहजी उपविजेता रही। इसी तरह तृतीय दिवस गुरुदेव के साहित्य जिज्ञासा की तरों पर ओपन बुक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

गुरुदेव की स्मृति दिवस पर नवकार महामन्त्र के जाप व उमेश गुरु चालीसा का पाठ भी किया गया। सकल जैन संघ से पौषध संवर करने का आह्वान भी किया गया। सकल आयोजन में भाग लेने वालों को संगठन अध्यक्षा श्रीमती इंदु कुवाड़, राजू दीदी, मनीष अमृतलाल चौपड़ा परिवार द्वारा प्रभावना वितरित की गई। अनेक भव्य आत्माओं ने तेले, बेले, उपवास, आयम्बिल, एकासन आदि तप किए। तेले तप की आराधना तपस्वी भरत भंसाली, तारांबेन भंसाली, कुमारी प्रिया व्होरा, अंजल शाहजी, धर्मेश मोदी द्वारा की गई। सभा का संचालन सचिव प्रदीप गादिया ने किया

# अकर्मण्यता से परेशान होकर बामनिया के बाशिंदे जनसुनवाई में जाने को हुए विवश

**माही की गूंज, बामनिया।**

ग्राम पंचायत बामनिया जो अपने भ्रष्टचार के लिए विख्यात है और जैसा बताया जाता है कि, बगैर पैसे लिए कोई काम नहीं होता और पैसा दे दिया तो नियम कानून कायदे ताक में रखकर नियम विरुद्ध कार्य चुटकियों में हो जाता है, अगर कोई व्यक्ति प्रभावशाली हो तो उसके काम घर जाकर करने से भी परहेज नहीं करते हैं। लेकिन अगर कोई सज्जन व्यक्ति अपने काम के लिए पंचायत में जाए तो उस व्यक्ति की चप्पलें घिस जाए पर मजाल हैं कि, कोई उसकी सुनवाई कर दे।

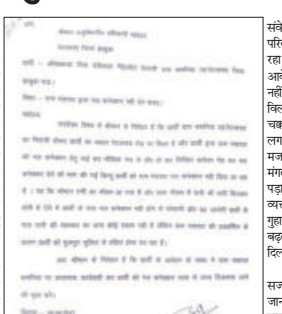

ऐसा ही वाक्या ग्राम के ओमप्रकाश गेहलोत के साथ हुआ। विगत कई महीनों से नल कनेक्शन के लिए ग्राम पंचायत बामनिया के नल-जल प्रभारी से लेकर सचिव-सरपंच यहां तक कि, सरपंच पति तक से गुहार लगा चुके हैं। कई महीनों से लगातार नल कनेक्शन के लिए परेशान करने वाली बामनिया पंचायत के नुमाइंदो की संवेदना इतनी मृत प्रायः हो चुकी हैं कि, परिवार को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत बामनिया आवेदनकर्ता द्वारा आर्थिक मांगो को पूरा नहीं करने के कारण कनेक्शन देने में विलंब कर रही हैं। महीनों पंचायत के चक्कर लगाने के बाद जब आवेदक को लगा कि, यहां न्याय नहीं मिलेगा तो मजबूर हो कर एसडीएम के समक्ष मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देना पड़ा और अपनी व्यथा जनसुनवाई में व्यक्त कर नल कनेक्शन दिलवाने की गुहार लगाने को विवश होना पड़ा। गर्मी की बढ़ती विभीषिका को देखते हुए कनेक्शन दिलवाने का आग्रह करना पड़ा।

- जनसुनवाई में की गई शिकायत

अगर नल कनेक्शन लेने के लिए सज्जन लोगो को जनसुनवाई में अगर जाना पड़ रहा है तो कल्पना कीजिए कि, बामनिया पंचायत और उसके नुमाइंदा कितने निष्क्रिय होंगे। अब सारी उम्मीद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पर टिकी है कि, कब इस निकमी पंचायत को कनेक्शन के लिए आदेशित करते हैं।

## 4 शिक्षक हुए निलंबित, 12 की रूकी वेतन वृद्धि

**माही की गूंज, बड़वानी।**

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जिला स्तरीय कोरोना कॉल सेंटर में चरणबद्ध तरीके से नियुक्त शिक्षकों द्वारा अपने कार्य में लापरवाही प्रदर्शित करने पर 4 शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वही 12 शिक्षकों की एक-एक वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी है।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को जिला स्तरीय कोरोना कॉल सेंटर का निरीक्षण किया था। जहां पर उक्त कर्मचारी अपने दायित्व से अनुपस्थित पाए गए थे।

### यह शिक्षक हुए निलंबित

सजवानी के सहायक शिक्षक शिवकुमार चैहान एवं प्राथमिक शिक्षक मोहन गेहलोत, धमनई के प्राथमिक शिक्षक मिश्रीलाल कनौजे, माध्यमिक शिक्षक रवि प्रकाश शर्मा को निलंबित किया गया है। निलंबित इन शिक्षकों का मुख्यालय जिला शिक्षा कार्यालय बड़वानी नियत किया गया है।

### इन शिक्षकों की रोकी गई वेतन वृद्धि

प्राथमिक शिक्षक काकड़वैड़ी नितेश पाराशर, राधेश्याम शिंदे, सजवानी के शिक्षक देवीसिंह बड़ोले, भारतसिंह भावर, सखाराम रावत, धमनई के शिक्षक तुलिया खरते, दिनेश यादव, भीमसिंह सोलंकी, माध्यमिक शिक्षक धमनई लोकेश पाटीदार एवं दिनेश यादव, सजवानी के कैलाश डावर, तलून के अनिल पंवार की एक-एक वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है।

### नोडल अधिकारियों को दी चेतावनी

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने नियुक्त किए गए समस्त नोडल अधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि, वे अपने दायित्वों को निर्वहन अच्छी तरह से करें। जिससे उनके मातहत कार्यरत कर्मी अच्छी तरह से अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन करें। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को चेताया है कि, अब लापरवाही प्रदर्शित होने पर उन पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# नए शराब ठेकेदार को नही मिला माल, अन्य दुकानों की शराब से चल रहा काम

## शराब दुकानों पर आख़िर कहां से पहुंच रहा अवैध शराब का जखीरा

**माही की गूंज, पेटलावद।**

जिले में शराब की दुकानों को लेकर फिल्हाल दो माह के लिए हुए टेंडर के बाद पेटलावद क्षेत्र की शराब दुकानों को नए परमिट का माल नही मिल पाया है। जिन ठेकेदारो का दो माह का ठेका बड़ा उन्होंने स्टॉक में बचे माल से दुकानों पर बिक्री शुरु कर दी। लेकिन जिन दुकानों पर ठेकेदार बदले उनको फिल्हाल अन्य दुकानों से माल टीपी परमिट से भेजकर दुकानों में बिक्री शुरू की गई। वर्तमान पेटलावद रूप की दुकानें जिसमे पेटलावद की देशी-विदेशी ओर बामनिया की देशी-विदेशी शराब दुकान के ठेकेदार निलेश राठौर ने अपने अनुबंध को आगे नही बढ़ाया और रूप को सारंगी ठेकेदार के नाम से अलकेश लबाना रूप ने ढाई करोड़ से अधिक राशि देकर ली है।

### टीपी परमिट के नाम से होती है शराब की हेरा-फेरी

दुकान पर माल नही होने की दशा में टीपी परमिट के नाम से एक दुकान से दूसरी दुकान पर माल भेजा जाता है, जो जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जारी किया जाता है। जिसमे प्रति पेटी लगभग 30 से 40 रुपए खर्च करना होता है। एक दुकान से दूसरी दुकान की दूरी के हिसाब से समय दिया जाता है और उसी तय समय मे वाहन को पहुंचना होता है। टीपी परमिट में दिया जाने वाला समय इतना होता है कि, एक परमिट पर दो बार माल एक दुकान से दूसरी दुकान तक पहुंच जाता है या कई बार परमिट में शराब की पेटियों की संख्या से अधिक शराब की हेरा-फेरी होती है।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि, टीपी परमिट से किसी भी दुकान का माल किसी भी दुकान पर जा सकता है, हमारे द्वारा ठेकेदारों को एनओसी जारी कर दी गई है इसके आधार पर माल खरीदी कर सकते हैं। पेटलावद आबकारी अधिकारी योगेश गामा से

जब इस संबंध में जानकारी ली तो उनका कहना है कि, अभी परमिट का माल नही आने से पेटलावद और बामनिया दुकानो पर टीपी परमिट से माल ठेकेदारो ने उठाया है।

### अवैध शराब की बिक्री में कोई कमी नही

जहां एक और ठेकेदार द्वारा स्वयं के काउंटर पर माल बिक्री करने के लिए माल उपलब्ध नही हो रहा, वही दूसरी और पेटलावद, बामनिया क्षेत्र की सैकड़ों अवैध दुकानो पर धड़ले से अवैध शराब की बिक्री की जा रही है, जो स्थानीय ठेकेदार की सहमति और माल उपलब्ध कराए बिना संभव नही है। नगर के कई स्थानों सहित स्टेट हाइवे पर मौजूद हर दूसरे ढाबे पर अवैध शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है, इतनी बड़ी मात्रा में अवैध रूप से शराब कहां से आ रही है इसकी कोई जानकारी तो नही मिली। लेकिन बताया जा रहा है कि, अवैध शराब विक्रेताओं ने 31 मार्च के पूर्व पुराने ठेकेदार से बड़ी मात्रा में माल स्टॉक किया था, वही माल नए ठेकेदार के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। फिल्हाल नए ठेकेदार के लोग खुलेआम अवैध रूप से शराब की सप्लाई करते तो नही दिख रहे है, लेकिन दुकान पर पर्याप्त मात्रा में माल आते ही शराब ठेकेदार के लोग बाईक व जीप से अवैध शराब सप्लाई करते हुए न केवल नगर में बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी अवैध शराब सप्लाई करते देखे जाएगे।

### पुराने लाइसेंसी के नाम से हो रही अब तक दुकान संचालित

कहने को तो पेटलावद रूप की दुकानें पुराने लाइसेंसी द्वारा छोड़ दी गई है और नए ठेकेदार द्वारा दुकान का संचालन शुरू हुए लगभग 7 दिन बीत गए। लेकिन अब तक शराब दुकान पर पुराने लाइसेंसी निलेश राठौर का ही नाम लिखा हुआ है और नए लाईसेंसी का नाम कही नही अंकित है। आबकारी विभाग का कार्यकाल दुकान के ठिक पीछे है लेकिन लगता है विभाग को ठेकेदार की लापरवाही से कोई लेना-देना नही है।

### आबकारी और पुलिस मूकदर्शक, सब कुछ देखकर भी अंजान, टारगेट पूरा करने के लिए बनाते है प्रकरण

अवैध शराब की बिक्री रोकने और पकड़ने के लिए आबकारी विभाग बना हुआ है लेकिन आबकारी विभाग की कार्यवाई हमेशा संदेह के घेरे में ही रही है। बताया जा रहा है, आबकारी अधिकारियों की महीना बंदी उनके मासिक वेतन से भी अधिक होती है, जिसकी पुष्टि गत दिनों अवैध शराब से भरी कार के मामले ने भी कर दी। एक ठेकेदार के इशारे और संयुक्त रूप से ठेकेदार के दो वाहनों के साथ मिलकर आबकारी ने एक कार पकड़ कर आबकारी कार्यालय पर लाकर खड़ी की। लेकिन मिली जानकारी अनुसार उक्त कार को दूसरे क्षेत्र के ठेकेदार के इशारे पर बिना प्रकरण बनाए लेन-देन कर छोड़ दी और एक पेटी का केस बनाकर मामला दबा दिया। उक्त मामले में जिला आबकारी अधिकारी और पेटलावद आबकारी अधिकारी कोई भी संतोष जनक जवाब नही दे पाए है। उधर पुलिस का रुख भी अवैध शराब को लेकर खास सख्त नही है। टारगेट पुरा करने के नाम पर अवैध शराब विक्रय करने वालो के मामूली प्रकरण बनाए जाते है, जबकि ठेकेदार द्वारा खुलेआम की जाने वाली अवैध शराब तब तक नही पकड़ी जाती जब तो वो ठेकेदार के वाहन से उतर कर दूसरे के पास नही पहुंच जाए।

# रोको-टोको अभियान के साथ ही वसुला आर्थिक दंड

**माही की गूंज, आम्बुआ। मंयक विश्वकर्मा**

जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर कहर ढा रही है, उससे शासन-प्रशासन का चिंतित होना लाजमी लग रहा है। कोरोना के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए कोरोना गाईलाइन में मास्क पहनना भी अनिवार्य है, बगैर मास्क वालों को समझाकर परेशान हो चुके प्रशासन ने आर्थिक दंड वसूलना प्रारंभ कर दिया है, जिसका अधिकतर भार ग्रामीण दोपहिया वाहन चालकों तथा अन्य ग्रामीणों पर पड़ रहा है। जहां चालान बनाए जा रहे हैं, लोग वहां रास्ता छोड़ अन्य रास्तों से आ जा रहे हैं। इस आर्थिक दंड से कोरोना संकट कम होता है या नहीं, मगर शासन को आर्थिक लाभ जरूर नजर आ रहा है।

कोरोना के संक्रमण की गति को रोकने के लिए शासन के निर्देश है कि, लोग कोरोना गाईडलाइन का पालन करें, हाथ धोएं, सैनिटाइजर तथा मास्क का उपयोग जरूर करें। मगर देखा जा रहा है कि, लोग इस ओर से बेपरवाह बने हुए रहकर स्वयं तथा अपने परिवार व समाज को मौत के मुंह धकेलने का कार्य कर रहे है। प्रशासन द्वारा रोको-टोको अभियान के तहत बगैर मास्क वालों को अर्थदंड से दंडित किया जा रहा है।

आम्बुआ पुलिस प्रांगण में 31 मार्च से राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी सड़क पर सरपट दौड़ते दोपहिया वाहन चालकों एवं सवारियों को पुलिस की मदद से रोककर समझाईश के साथ-साथ 50 रूपए के चालन की रसीद लेकर 50-50 रुपए वसूल रहे हैं। जिससे प्रतिदिन हजारों रुपए की आय प्रशासन को हो रही है। हमारे द्वारा कार्रवाई स्तर पर कुछ समय रह कर देखा तो पाया कि, चालानी तथा दंडात्मक कार्रवाई में ग्रामीण अधिक दंडित हो रहे हैं, कुछ मार्ग बदलकर निकल रहे हैं। एक स्थान पर बैठककर कार्रवाई की बजाय राजस्व अमला, पुलिस विभाग की मदद से कस्बे तथा शहरी क्षेत्र में भ्रमण कर दुकानों, बसों, होटल, बैंकों, सहकारी संस्थाओं, कियोस्क सेंटरों, हेयर सैलूनो, निजी तथा सरकारी अस्पतालों, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी तथा शिक्षण संस्थाओं आदि का निरीक्षण कर समझाईश के साथ दंडात्मक कार्रवाई करें तथा यह निरीक्षण कार्रवाई सतत् कुछ सप्ताह तक चलती रहे, ताकि लोग गाईडलाइन के पालन के आदी हो जाए और कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके।

# अज्ञात डंफर ने बाइक सवार को कुचला, हुई मौत

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

कस्बे से बाहर आम्बुआ-जोबट मार्ग पर मंगलवार को एक डंफर के नीचे कुचल जाने के कारण युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। डंफर चालक वाहन लेकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी अनुसार ग्राम मोटाउमर चिचानिया फलिया निवासी प्रवीण उर्फइडला पिता शांति ऐल (ईसाई) मोटरसाइकिल क्रमांक जीजे 03 बीओ 9988 लेकर बोरझाड़ की ओर से 10:00 बजे आम्बुआ आ रहा था। हथिनी नदी पुल के आगे मोड़ पर पुलिया पार करते समय वह सामने से आ रहे डंफर से जा भिड़ा, जिस कारण उसका शरीर डंफर के पिछले टायर में फंस गया और डंफर उसको लगभग 25 से 30 फीट से अधिक दूरी तक घसीटते हुए ले गया, जिस कारण उसके शरीर के कपड़े व चमड़ी शरीर से अलग हो गए तथा कमर के नीचे का हिस्सा चिथड़ो में बदल गया, सड़क पर शरीर की चमड़ी तथा मांस के टुकड़े बिखर गए। घटना स्थल पर जिसने भी देखा वह सिहर उठा, युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई की तथा शव को पीएम हेतु अलीराजपुर भेजा गया।

## कोविड-19 व वेक्सीनेशन संबंधित भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी का प्रसार करने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुरभि गुप्ता ने जिले में कोविड-19 एवं कोविड वेक्सीनेशन संबंधित किसी भी तरह की भ्रामक तथा तथ्यहीन जानकारी का प्रसार न हो इसके मद्देनजर दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। उक्त आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, हाइक, ट्विटर, एसएमएस, इंस्टाग्राम इत्यादि पर कोविड टीकाकरण अथवा कोविड-19 महामारी के संबंध में किसी भी तरह का भ्रामक संदेश अथवा जानकारी का प्रसारण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त वर्णित सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, ऑडियो-वीडियो इत्यादि प्रसारित नही करेगा या भेजेगा। साथ ही कोविड संबंधित किसी भी तरह के दुष्प्रचार को सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर पोस्ट पर कमेंट, लाइक, शेयर या फरवर्ड नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो संबंधित ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि, वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति अफ़वाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर भड़काने उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश गैर-कानूनी गतिविधियां उत्पन्न हो जाए, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करेगा तथा न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। आदेश का उल्लंघन करने की दशा मे संबंधित के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 व साइबर विधि तथा अन्य अधिनियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

# शीतला सप्तमी पर पूजा अर्चना कर घर परिवार की सुख शांति की कामना की

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

होलीका पर्व का समापन शीतला सप्तमी के साथ माना जाता है, हालांकि कुछ लोग शीतला अष्टमी भी पूजते है। कुछ समय बाद हिंदू नव वर्ष तथा चेत्र नवरात्रि का आगाज भी होने जा रहा है शीतला सप्तमी के पूजन हेतु मंदिर पर रविवार सुबह 4 बजे से पूजा-अर्चना का कार्यक्रम चलता हुआ दोपहर तक चला, घर परिवार में सुख शांति तथा कोरोना महामारी के बचाव की कामना की गई।

कस्बे से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित शीतला माता मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी प्रारंभ हो गई थी। शीतला सप्तमी विशेषकर महिलाओं का पर्व कहा जा सकता है। माताजी को पूजन में बासी खाद्य सामग्री व्यंजनों आदि सम्मिलित किए जाते है। इस वर्ष कोरोना गाईडलाइन के पालन हेतु भीड़-भाड़ से बचने हेतु पूजा करने वाले सुबह-सुबह मंदिर गए तथा पूजा अर्चना कर घर परिवार में सुख शांति की कामना के साथ ही कोरोना महामारी से बचाव की भी प्रार्थना की गई। भीड़ में कुछ ने मास्क लगाया तो कई इस ओर से बेपरवाह दिखाई दिए तथा खुले घूमते रहे। सुबह से चला पूजा-अर्चना का क्रम दोपहर तक अनवरत चलता रहा। आम्बुआ स्थित शीतला माता मंदिर पर आम्बुआ के अतिरिक्त समीप ग्राम बोरझाड़ तथा ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु पूजा-अर्चना हेतु आए। मंदिर पर ठंडा पानी तथा छाव हेतु टेंट के साथ ही सुंदर साज-सज्जा हेतु टेंट व्यवसाई बंटी उर्फदेवेंद्र चौहान का विशेष सहयोग रहा, जिसकी हर आने वाले श्रद्धालु ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

# 'दो गज दूरी मास्क जरूरी'

**- कोरोना रोकथाम तथा बचाव पर ऑनलाईन वेबीनार**

**माही की गूंज, झाबुआ।**

बुधवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के तत्वाधान में कोरोना रोकथाम तथा बचाव विषय पर ऑनलाईन परिचर्चा वेबीनार संपन्न हुआ। आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण के सचिव-अपर जिला न्यायाधीश राजेश देवलिया के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाईन आयोजित हुआ। जिसमें झाबुआ, नीमच तथा अलीराजपुर तीन जिलों के पैरालीगल वालेंटियर्स, आशा हेल्थ वर्कर महिला, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आमजन को ऑनलाईन जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला जज-सचिव राजेश देवलिया ने बताया कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए सभी को दो गज की दूरी और मास्क जरूरी के सिद्धांत पर शक्ति से अमल करना चाहिए। हाट बाजार तथा भीड़-भाड़ वाली जगहों से जाने से बचे। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहने तथा हाथों को बराबर साबुन तथा सेनेटाईजर से धोते रहें।

### प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेरित किया

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच के सचिव-अपर जिला जज संजय जैन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीराजपुर के सचिव-अपर जिला जज रवि झारोला ने भी अपने विचार रखे तथा कोरोना वायरस रोकथाम के लिए पैरालीगल वालेंटियर्स, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा आमजनों को कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम व बचाव के लिए सामाजिक जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेरित किया गया। आयोजन में ऑनलाईन जुड़कर तीनों जिलों झाबुआ, नीमच, अलीराजपुर के पीएलव्ही ने कोरोना वायरस महामारी के संबंध में प्रश्न पूछे जिसका समाधान डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर सीएमएचओ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार जिला विधिक सहायता अधिकारी सिमोन सुलिया अलीराजपुर द्वारा किया गया।

## गर्मी से राहत के लिए मंदिर पर दान दिया वाटर कूलर

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

गांधीसागर के चौकी वाले हनुमान मंदिर पर ठंडे शीतल पेयजल को लेकर वाटर कूलर भेंट किया गया। गांधीसागर के चौकी वाले हनुमान मंदिर पर भक्तों को भीषण गर्मी के दौरान ठंडा व शीतल पेयजल उपलब्ध हो इसको लेकर दानदाता शैलेष उपाध्याय इंदौर की और से वाटर कूलर भेंट किया गया। वाटर कूलर का शुभारंभ मानस मंडल समिती द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ कर किया गया। इस अवसर अशोक खण्डेलवाल, कुलदीप अग्रवाल, केपी गोस्वामी, हंसराज माटा, चीमनलाल माटा, दिनेश सेन एवं समिती के सदस्य उपस्थित रहे।

# बेपरवाह लोग, बिना मास्क के घूमने वालो पर हुई चालानी कार्यवाही, मास्क लगाने की दी समझाईश

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के तहत जिले में आमजन को जागरूक करने के तहत मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। दूसरों की जान को खतरें में डालने वाले वाहन चालक, राहगीर जो मास्क नहीं पहनकर यात्रा कर रहे हैं, ऐसे लोगों के खिलाफकार्रवाई शुरू कर दी है।

कोरोना के लगातार बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए पुलिस भी अब अलर्ट हो गई है। दाहोद नाका पर ट्रैफिक पुलिस ने मास्क न लगाने वालों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की। इस दौरान बिना मास्क के वाहन पर शहर में घूम रहे लोगों के चालान काटे गए। पुलिस का कहना है कि, आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। इससे बचने के लिए लोगों को चाहिए कि, वे घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाकर ही निकलें।

ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि, कोरोना संक्रमण का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है, अनावश्यक एवं अकारण लोग घरों से बाहर नहीं निकलें, जहां भी जाएं मास्क लगाकर और सोशल डिस्टेंसिंग जरूर बनाए रखें, जिससे कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके।

### कोरोना नियमों को लेकर लोगों में लापरवाही

कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन लोगों की लापरवाही के चलते संक्रमण एक बार फिर से तेजी से बढ़ने लगा है। इन सब के बावजूद भी लोग कोरोना गाईडलाइन को पालन करते नहीं दिख रहे हैं।

## सर्व मुस्लिम समाज ने अभद्र टिप्पणी पर दिया ज्ञापन, एफआईआर की मांग की

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

नगर सर्व मुस्लिम समाज ने शासन की गाईडलाइन का पालन करते हुए अलीराजपुर थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी को एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया कि, गाजियाबाद (उप्र) के डासना देवी मन्दिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद सरस्वती की एक क्लीप सोशियल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उसके द्वारा इस्लाम धर्म के आखिरी पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलयही वसल्लम पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी कर सर्व मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत की गई है। जिसकी निंदा पूरे देश सहित दुनिया का मुस्लिम समाज कर रहा है। उक्त टिप्पणी करने के बावजूद आरोपी पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है और न ही नरसिंहानंद सरस्वती को अब तक गिरफ्तार किया गया है। ऐसे अपराधी पर धार्मिक भावनाएं आहत करने पर यूएपीए सहित सेक्शन 153 (ए), 295 और 295 (ए) भादवि के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई होना चाहिए, जिससे आगे इस तरह का बयान देने से पहले कोई भी व्यक्ति सौ बार सोचे। ज्ञापन देते समय मुस्लिम समाज के वरिष्ठसिराज तन्हा, साबिर बाबा, तसद्दुक जिया चंदेरी, साजु मकरानी, शारुख मनिहार, व मुस्लिम समाज के वरिष्ठ एवं युवा मौजूद थे।

# माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने के बाद भ्रष्ट चैनसिंह को देना ही पड़ा चार्ज

**माही की गूंज, खवासा।**

चैनसिंह यानी आ.जा. सहकारी संस्था भामल के भ्रष्टाचार का पर्याय है। भामल संस्था का प्रबंधक चैनसिंह राठौड़ सांठ-गांठ कर अपने कई भ्रष्टाचार को अंदर के अंदर ही कागजों की फाइलों में दबाकर रख दिया और अपने प्रभाव को प्रदर्शित करता रहा। इतना ही नहीं चैनसिंह राठौड़ अपनी मूछों पर ताव देकर अपने भ्रष्टाचार को रफा-दफा करने का प्रभाव भले ही बताता रहा हो, परंतु असल में जब-जब अपने भ्रष्टाचार रूपी कार्यों में फंसा तब-तब अंदर खाने चित करने हेतु कुत्ते को भी अपना बाप बनाकर चरण वंदन करने में भी पीछे नहीं रहा। हाल ही में मार्च में अपनी निजी कार क्रमांक एमपी 45 सी 0647 को अधीनस्थ संस्था की परवाड़ा दुकान के सेल्समैन बाबु नकुम के घर के आगे खड़ी कर, भामल में करीब सो कदम की दूरी पर संस्था की दुकान के सेल्समैन नबू जैन को निर्देश देकर बाजरा के दो कट्टे कार की डिक्की में तो खाली बारदान कार की सीट पर काला बाजारी कर रखवाए और अपनी गाड़ी से स्वयं के घर ले जाकर या बाजार में बेच कालाबाजारी को अंजाम दिया। जिसका माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ 4 मार्च को ''आ.जा. सहकारी संस्था का मैनेजर चैनसिंह दिन दहाड़े खाद्यान्न व खाली बारदान की कर रहा हेरा-फेरी'', ''मामला उजागर होने पर मैनेजर के साथ सेल्समैन भी आया हरकत में'' व 11 मार्च को '' भ्रष्ट प्रबंधक पर खाद्यान्न की हेरा-फेरी करने पर गिरी गाज'', ''कार्रवाई व जांच को प्रभावित करने का अथक प्रयास कर रहा चैनसिंह'' व 18 मार्च को ''स्वस्थ होने के बाद भी किया जा रहा ऐसा प्रयास की सेल्समैन नहीं ले प्रभारी प्रबंधक का चार्ज'', ''मामलाः भामल आजा सहकारी संस्था के प्रबंधक चैनसिंह द्वारा खाद्यान्न की हेरा-फेरी व प्रबंधक को हटाने के आदेश के बाद भी पद पर बने रहने का'', ''बीमार कर्मचारी को प्रभारी प्रबंधक का चार्ज लेने के आदेश आखिर क्यों किए जारी'' समाचार प्रकाशित किए। जिसके बाद आखिरकार संस्था की कुकड़ीपाड़ा एवं तलावड़ा दुकान का सेल्समैन कमलेश पाटीदार को सीसीबी शाखा प्रबंधक बामनिया के निर्देश के परिपालन में कमलेश पाटीदार को सोमवार के दिन चार्ज भामल आ.जा. सह. संस्था का प्रबंधक पद का देना ही पड़ा।

– भ्रष्ट चैनसिंह अपनी विवशता पर बहा रहा आंसू।

प्रभारी प्रबंधक कमलेश पाटीदार

कमलेश पाटीदार उक्त संस्था प्रभारी प्रबंधक के रूप में चार्ज लेकर अपना कार्यभार संभाल रहे हैं। वहीं चैनसिंह अब सहायक प्रभारी प्रबंधक के रूप में रहकर वसूली का कार्य करेंगे। लेकिन चैनसिंह की सांठ-गांठ व उक्त मामले को भी अन्य मामलों की तरह रफा-दफा करने का प्रयास कर कितने दिन में वापस कमलेश पाटीदार से उक्त प्रबंधक पद की कुर्सी हथियाने में कामयाब होता है, यह आगे देखने वाली बात है।

लेकिन माही की गूंज की पूरी नजर उक्त मामले पर टिकी है। किस तरह मूछें पर ताव देने वाला भ्रष्ट चैनसिंह गरज पड़ने पर कुत्ते को भी बाप बनाकर चरण वंदन कर जातिवाद का बीज बोकर व राजनीतिक दबाव के साथ झूठे बयान दिलवाकर उन्हें कटघरे में खड़ाकर किस तरह से अपना कर रहा बचाव, का करेंगे खुलासा अगले अंक में...

# खोरिया पंचायत पर भ्रष्टाचार मामले में एफआईआर दर्ज करने की तैयारी

## गुमराह कर जांच को भटकाने की कोशिश, आदेश के बाद भी जमा नही की राशि, कार्रवाई हेतु भेजा पत्र

**माही की गूंज, पेटलावद।**

विकास खण्ड की पंचायतो में मचे भारी भ्रष्टाचार मामले में अब शायद ऐसी पहल हो कि, भ्रष्टाचार को बेफिक्र अंजाम देने वालो के पैरों की जमीन खसक जाए। ग्राम पंचायत खोरिया के प्रधान श्रीमति शम्भूडी पति रामलाल अरड एवं सचिव दिनेश भूरिया के विरुद्ध माननीय न्यायालय अपर कलेक्टर जिला झाबुआ में प्रकरण क्रमांक 1/अ - 89/(1)/2020-21 दर्ज किया गया। ग्राम पंचायत खोरिया में पंचपरमेश्वर योजना अंतर्गत वर्ष 2015-16 से 2018-19 की अवधि में ऑफिस व्यय एवं अन्य व्यय का भुगतान वेंडर रामलाल अरड को किया गया, उक्त वेंडर सरपंच पति है, जो शंकास्पद है। कुल राशि 20 लाख 82 हजार रूपए के स्वीकृत निर्माण कार्य की राशि बिना निर्माण के सरपंच-सचिव के संयुक्त डिजीटल हस्ताक्षर से आहरित की गई। उक्त कृत्य म.प्र. पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत शासकीय राशि का दुरूपयोग श्रेणी में आता है तथा सरपंच-सचिव संयुक्त रूप से उत्तरदायी है। श्रीमति शम्भूडी पति रामलाल अरड (वर्तमान प्रधान) से 10 लाख 42 हजार रूपए एवं दिनेश भूरिया निलंबित सचिव ग्राम पंचायत खोरिया से 10 लाख 42 हजार रूपए कुल राशि 20 लाख 82 हजार वसूली किए जाने के आदेश दिए गए थे ओर संबंधित को एक सप्ताह का समय दिया। किंतु संबंधित द्वारा आज तक राशि जमा नहीं कराई गई है।

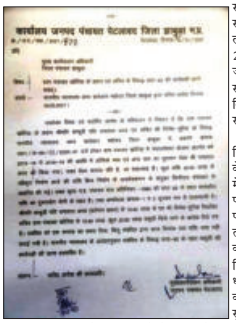

– सरपंच-सचिव से वसूली के आदेश के बाद भी नही कर पाए वसूली।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ द्वारा प्रकरण के परीक्षण उपरान्त 5 निर्माण कार्यों में से केवल 1 निर्माण कार्य मौके पर पूर्ण करना एवं 4 शेष कार्य पंचायत द्वारा निर्माण कार्य आज तक प्रारंभ नहीं होकर राशि आहरित कर शासन को हानिकारित होने की स्थिति पाए जाने से अधिनियम की धारा 92 के तहत् वसूली की कार्रवाई के पूर्व धारा 89 के तहत् सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर न्यायालय को अग्रेषित किया गया। जो न्यायालय में 23 नवम्बर 2020 को सुनवाई हेतु भेजा गया। प्रकरण मद (अ) 89 (1) में दर्ज कर सरपंच-सचिव को इस न्यायालय द्वारा 23 नवम्बर 2020 को कारण बताओं सूचना-पत्र जारी कर जवाब प्रस्तुत करने हेतु नियत किया गया था। श्रीमती शम्भूडी पति रामलाल अरड (वर्तमान प्रधान) तत्कालीन सरपंच ग्राम पंचायत खोरिया ने जनपद पंचायत पेटलावद के सूचना-पत्र का 3 दिसम्बर 2020 को जवाब प्रस्तुत किया।

### पंचायत सरपंच ने जांच को गुमराह कर खुद को अनपढ़ बताकर किया बचने का प्रयास

ग्राम पंचायत खोरिया के सरपंच द्वारा जवाब में जांच अधिकारियों को गुमराह किया गया। सरपंच ने अपने कथन में बताया कि, रामलाल अरड़ मेरे पति एवं निर्माण कार्य में सहयोग करने व मिस्त्री का कार्य करने से ग्राम पंचायत के पंचों को संज्ञान में लेकर सचिव द्वारा भुगतान किया गया। सरपंच ने कहा कि, अनपढ़ होने के कारण मुझे नियम एवं किसी प्रकार का ज्ञान नहीं था। मुझे कुल राशि 20 लाख 82 हजार बिना निर्माण कार्य किए राशि अहरण करना दर्शाया गया है। मेरे द्वारा किसी भी प्रकार से अपूर्ण कार्य नहीं किए गए है। जो कार्य मेरे द्वारा किए गए है वह सभी सही है। जिस स्थान की टीएस, एएस थी वहां के ग्राम के सदस्यों एवं निजी भूमि साईट में होने के कारण विरोध किया तो उस स्थान पर सीसी रोड़ का कार्य न कर उपयंत्री के मार्ग दर्शन में कार्य अन्य जगह पर सीसी रोड निर्माण का किया और भुगतान किया गया। तब गुमानसिह गामड रोजगार सहायक एवं सचिव द्वारा नियम अनुसार पंचायत से भुगतान किया गया।

सरपंच अनपढ़ महिला होने से सहायक सचिव एवं सचिव द्वारा बताया गया कि, निर्माण भी किया और भुगतान किया गया है, तब गुमानसिह गामड रोजगार सहायक एवं सचिव द्वारा नियम अनुसार पंचायत से भुगतान किया गया। सरपंच अनपढ़ महिला होने से सहायक सचिव एवं सचिव द्वारा बताया गया कि, रोजगार सहायक एवं उपयंत्री पवन गुज्ञ के कहे अनुसार डींगल जनपद में ही रख दो एवं मेरे अनुसार भुगतान करवाया दिया जाएगा।

### दूसरी जगह बताए कार्य भी नहीं मिले

सरपंच ने जांच को गुमराह कर बताया कि, जिन कार्यों की राशि निकाली गई उन कार्यों को विवाद के कारण दूसरे स्थान पर किया गया। लेकिन जांच में सरपंच का दावा भी गलत पाया गया। पूरे मामले को लेन-देन कर निपटाने के भी प्रयास भी किए गए लेकिन पंचायत का मामला सेट नही हुआ। न्यायालय के आदेश और दिए गए समय के बाद भी सरपंच-सचिव द्वारा राशि जमा नही की गई और जनपत पेटलावद से उक्त मामले में पत्र बनाकर जिले में भेज दिया गया है, जिसके बाद खोरिया पंचायत के सरपंच-सचिव पर एफआईआर दर्ज करवाने की प्रक्रिया हो सकती है। यदि मामले में प्रकरण दर्ज होता है तो भ्रष्टाचार में लिप्त कई पंचायतो के जिम्मेदारों पर कार्रवाई होने की संभावना बढ़ जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422